KPT
KUMAWAT
PRAGATI TRUST

मासिक
कुमावत इंडिया
कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com

वर्ष-4 | अंक-5 दिसम्बर-2020 पृष्ठ-32 मूल्य : ₹ 20.00

KRISHIV | MULTI SPECIALITY HOSPITAL

50 BEDDED MODERN MULTISPECIALITY HOSPITAL DESTINED TO DELIVER WORLD-CLASS HEALTHCARE SERVICES.

Phone :
+91 141 2357035
Mobile :
+91 91166 40603

Dr. K.G. Kumawat
D.N.B. (Internal Medicine)
Director & Consultant Physician
Ex. Physician -
Metro Mass Hospital, Jaipur
Cocoon Hospital, Jaipur
Santokba Durlabhji Memorial Hospital, Jaipur

Dr. Shivani Kumawat
M.D. (Pathology)
Director & Consultant Pathologist

Membership Card*
for Discounts on Hospital Services

- OPD : 20 OPD Package
- Silver : 15% Discount
- Gold : 20% Discount
- Diamond : 25% Discount
- Platinum : Premium Card

Special Health Package *

- Basic
- Cardiac
- Diabetes
- Growing Child
- Well Women
- Senior Citizen
- Complete Body Checkup

Our Specialities

- Internal Medicine • Pediatrics & Neonatology • Pulmonology
- General & Laparoscopic Surgery • Spine & Orthopedic Surgery
- Dermatology • Neurology • Cardiology • Metabolic Medicine
- Gastroenterology • Oncology • Nephrology • Urology • ENT
- Radiology • Pathology • Physiotherapy • Clinical Nutrition

* Terms & Conditions Apply

A-491, Amrapali Marg, Near Nursery Circle, Vaishali Nagar, Jaipur
Email : info@krishivhealthcare.com
www.krishivhealthcare.com

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : 2806, खड़गटा भवन,गणेश जी मंदिर के पास, मोती डूंगरी, जयपुर-302004

मुख्य संरक्षक	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	मो. 9414994006
अध्यक्ष	:	रमेश कुमावत (गेदर)	मो. 9414554322
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	मो. 9887440666
सचिव	:	विनोद बालोदिया	मो. 9829059312
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	मो. 9549656438
सदस्य ट्रस्टी	:	सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	मो. 9829056063
		हेमचन्द खड़गटा	मो. 9351682036
		मनोज सिरस्वा	मो. 9414043127
		रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	मो. 9414074376
		जयकिशन सोकिल	मो. 9829125428
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	मो. 9414263429

सम्पादक मण्डल : रामप्रकाश कुमावत (मारवाल) सम्पादक - 9414074376, श्रीमती भारती वर्मा सह-सम्पादक 9414810584, राजेन्द्र जूनवाल 9828139099, गौरव अजमेरा 9829488824, प्रमोद कुण्डलवाल 9414362169 **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, चन्द्र प्रकाश अजमेरा 9928088815, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, रोहित कुमावत (मोरवाल) 9887097092, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496 , चेतन बालोदिया 9414052736 एवं श्रीमती राजबाला बिर्थला 7976475370, प्रभुदयाल तुनगरिया किशनगढ़ 9680931428

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397 दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580 सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444 वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299 मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188 जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301 कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402 सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657 उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** दयाशंकर रावड़िया **मो. 9414391034 ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493 किशनगढ़ :** नन्दकिशोर पारमवाल **मो. 9667090499 बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957 सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812**

प्रोसेसिंग व मुद्रक : राज ब्लॉक्स, चौड़ा रास्ता, जयपुर

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ठ संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-600

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ठ संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385

यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर सूचित अवश्य करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक हेमचन्द कुमावत (खड़गटा) द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं 2806, खड़गटा भवन, गणेश जी मंदिर के पास, मोती डूंगरी, जयपुर से प्रकाशित सम्पादक राम प्रकाश कुमावत (मारवाल)

सम्पादकीय

सभी पाठकों को नव वर्ष 2021 की अनगिनत बधाई। नववर्ष उल्लास व उमंग का उत्सव है। यह नवजीवन, नवसृजन, नवकल्पना, नवधारणा का समन्वय है। नववर्ष पर हम सद्भावना एवं अपनत्व का सुंदर उपहार है अपनों को देते हैं।

यदि हम मनुष्य के जीवन काल को देखे तो इसे अतीत, वर्तमान और भविष्य के रूप में पाएंगे। अतीत पर अब हमारा नियंत्रण नही है पर वर्तमान में हम अपनी इच्छा, योग्यता व सामर्थ्य से कार्य करके वर्तमान के साथ भविष्य को अपनी इच्छाएं, स्वप्न और योजनाओं के अनुसार सुधारने का प्रयास कर सकते है। लेकिन उनका पूरा होना सुनिश्चित नहीं है। बाल अवस्था खेलकूद में तथा किशोर अवस्था पढ़ाई और ताने-बाने बुनने में व्यतीत हो जाती है। यौवन अवस्था से ही योजनाएं बनाने, भविष्य के सपने बुनने में मनुष्य लग जाता है। पारिवारिक संस्कार, संगत और मेहनत के अनुरूप ही उसे उपलब्धियां हासिल होती है। अप्राप्त उपलब्धियों को पाने के लिए वह अपनी संतान से अपेक्षा करता है। जीवन के इसी चौराहे पर मनुष्य को झूठ, कपट, ईर्ष्या, क्लेश, तनाव आदि रास्तों से गुजरना पड़ सकता है। वह अपने व अपने परिवार तक सीमित और केंद्रित हो जाता है व धीरे धीरे समय यूँ ही निकल जाता है, बच्चे बड़े हो जाते हैं। अधिकतर अभिभावको की प्रबल इच्छा होती है कि वे सरकारी नौकरी प्राप्त करें। इस लक्ष्य की पूर्ति हेतु लड़के-लड़कियों को प्रतियोगिता परीक्षाओं हेतु घर छोड़कर शहरों में हॉस्टल आदि की शरण लेनी पड़ती है। अधिकांशत: विद्यार्थी को 1 से 5 वर्ष तक कोशिश करने के बाद भी नौकरी नहीं मिलती अथवा छोटी मोटी नौकरी के कारण वे निराश, कुंठित और उदासीन हो जाते हैं। इनका परिवार के साथ मोह व प्यार धीरे धीरे कम होता जाता है। शादी ब्याह के प्रति उनका रवैया नकारात्मक हो जाता है। अच्छी नौकरी भी नहीं मिलती पाती है और ना ही उनका परिवार बन पाता है। मेरे विचार से वैवाहिक आयु में बढ़ोतरी का मुख्य कारण अभिभावकों की अति महत्वाकांक्षा है। दूसरा कारण वैवाहिक संबंध हेतु लड़के-लड़कियों को देखने-दिखाने का है। आमतौर पर लड़के वाले अपने आप को ऊंचा वह लड़की वालों को निम्न समझने की भूल करते हैं। लड़की देखने के लिए पहले माता-पिता जाएंगे और देखने के बाद लड़की वालों को कोई जवाब नहीं देंगे और न हीं उनका फोन उठाएंगे। इस प्रकार की घटनाएं समाज में आम हो रही है जो अनुचित है।

मेरी एक रिश्तेदार की लड़की देखने संयोग से मेरा मित्र अपनी पत्नी के साथ गये, बातचीत में मेरे बारे में उन्हें मालूम हुआ। एक दिन मेरी रिश्तेदार ने मुझे फोन पर लगभग बहुत दु:ख भरी भाषा में बोला कि आपके दोस्त (लड़के वालों) ने कोई जवाब नहीं दिया और न हीं फोन उठाते हैं। यह कैसी विडम्बना है ? क्या समाज में कोई कायदे कानून व नैतिकता नहीं है ? लड़के वाले अपने आप को क्या समझते हैं ? आदि आदि। सुनकर मुझे बहुत आश्चर्य और दु:ख हुआ। मैंने उन्हें बड़ी ही मुश्किल से तथा प्यार से समझाया। मेरे दोस्त (लड़के वाले) से बात करने पर मालूम हुआ की उनकी कहीं अन्य जगह भी बात चल रही है वहां से जवाब आएगा बाद में वह मेरे रिश्तेदार को जवाब देंगे। यह उनकी दूसरी प्राथमिकता है। यह सुनकर मैंने उसे समझाया कि तुम लड़के की शादी कर रहे हो अथवा व्यापार ? लड़की वालों को जवाब देना चाहिए इस तरह के प्राथमिकता नहीं होना चाहिए। इन प्राथमिकताओं से बच्चों की शादी की आयु बढ़ती जायेगी व अंत में इस तरह की प्राथमिकता रखने वालों को शादी नहीं समझौता करना पड़ सकता है। ऐसे अनेक दृष्टान्त समाज में है।

मेरे विचार से समाज में विवाह सम्बन्धी कुछ नियम नैतिकता निर्धारित होनी चाहिए। सारी जांच पड़ताल के बाद लड़की/ लड़का देखने के लिए घर पर नहीं बल्कि किसी धार्मिक स्थान, पार्क, सामाजिक समारोह आदि जगहों पर जाए। आपस में 80% रजामंदी होने पर ही लड़की वालों के घर जाएं ताकि उनके परिवारजन व लड़की पर सकारात्मक माहौल पैदा हो और देखने-दिखाने की स्वस्थ परंपरा बनें। लड़के-लड़की वालों को जल्दी से जल्दी आपस में बात कर रिश्ता तय करना चाहिए प्राथमिकता बनाने की 'संकुचित मानसिकता' को छोड़ना चाहिए। ताकि अपने लाड़ले-लाडलियों की शादी समय पर संपन्न हो सके।

नववर्ष सभी के लिए खुशियों से भरपूर स्वास्थ्य, निरोग व आनंद प्रदान करने वाला हो। हम इस वर्ष से फिर से सभी क्षेत्रों में एक सकारात्मक व नई शुरुआत करें और सतत आगे बढ़े, यही नववर्ष का संदेश है। **आप सभी को आने वाले नववर्ष की 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की और से हार्दिक बधाई।**

-राम प्रकाश कुमावत (मारवाल)

यहां पर यह देखें

सम्पादकीय	3
बधाई विज्ञापन : श्री विमल कुमावत	4
बधाई विज्ञापन : श्रीमती गुलाब देवी	4
कुमावत गैरव :संत श्री मुरली मनोहर 'अकिंचन'	5
चित्रकार विजय वमर्श को कालिदास राष्ट्रीय सम्मान	5
स्मृति शेष : समाज सेवी एडवोकेट श्री लादूराम कुमावत, ब्यावर	6
ज्येष्ठ पुत्री यामिनी के बंधवाई पगड़ी	6
आनंद प्रकाश ने इंटरनेट हैकिंग के बादशाह	7
कैनवास आर्टिस्ट विजय वर्मा का सम्मान	7
टूटती साँसों के बीच, जिंदगी की आस.... कोरोना वैक्सीन!!!	7
झोटवाड़ा में मॉस्क व आयुर्वेदिक काढ़ा वितरण	8
शंकर बालोदिया (वन्दना फ्लावर्स) द्वारा सम्मान समारोह	8
नेहा कुमावत सम्मानित	8
नौसेना में अफसर बने अमन कुमावत	8
कुमावत समाज का ऑनलाइन परिचय सम्मेलन	8
मदनगंज-किशनगढ़ में समाजजनों की गोष्ठी	9
IAS, RAS ß RJS परीक्षा हेतु वेबीनार आयोजन	9
केबीसी-12 में पूछा गया बाबू शोभाराम संबंधी 1 करोड का सवाल	9
कुमावत समाज मालवीय नगर, जयपुर के चुनाव निरस्त	9
नासिक में समाज की नवीन कार्यकारिणी चयनित	9
मोहनलाल धुंधारिया ने गाय बचाने में विशेष सहायता की	10
माँ वैष्णो देवी पदयात्रा सेवा समिति द्वारा 5000 मास्क वितरित	10
अजमेरा (कुमावत) परिवार का कार्यक्रम स्थगित	10
महासभा भवन निर्माण, उदयपुर	11
महासभा भवन, उदयपुर के निर्माण का द्वितीय चरण 'अभियान आशियाना' प्रारम्भ	11
ठंड में जरूर खाएं ये चीजें	12
जयपुर की स्थापना में कुमावत जाति का योगदान	13
बिना लगन के विवाह	13
नारी की शक्ति को परिभाषित करती हुई एक कविता	14
शादी में मात्र एक रुपया लेकर मिसाल कायम की	14
चुनावों में विजयी होने पर हार्दिक बधाई	15
वेदान्ता ग्रुप जाहोता के नंदघर को दरियां व कुर्सियां भेंट	16
बधाई विज्ञापन : टीम चेतन धुंधारिया	16
विमल कुमावत भाजपा जयपुर उपाध्यक्ष मनोनीत	17
अर्चना कुमावत ने नेट जेआरएफ उत्तीर्ण किया	17
नीलम कुमावत ने नागौर में जीता गोल्ड मेडल	17
टीम चेतन धुंधारिया द्वारा विमल कुमावत भाजपा जयपुर उपाध्यक्ष का स्वागत	17
आओ बचायें जिंदगी की डोर... बेजुबान पक्षियों पर मेहर रखें	18
आभार : श्रीमती रूपावती वर्मा	18
सामाजिक संस्थाएं व चुनाव	19
अन्नकूट महोत्सव	19
कोरोना जागरूकता के लिए मनाली तक मोटर साइकिल पर सफर	19
8वीं सदी से स्थापत्य, शिल्प कला व मूर्तिकला	20
कोविड-19 के हम पर असर और बेअसर	21
पढ़ाई के साथ हुनरमंद बनिये	22
बड़ा आदमी	23
विशिष्ठ संरक्षक	24
विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची	25
'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें	26
विज्ञापन : रूपन आर्ट्स, नरेश कुमावत, रामप्रकाश मारवाल	27
विज्ञापन : श्रद्धांजलि, आभार	28
विज्ञापन : श्रद्धांजलि	29
विज्ञापन : बधाई	30

हमारे समधी

श्री विमल कुमावत (अनावडिया)

को भारतीय जनता पार्टी जयपुर के उपाध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर

हार्दिक बधाई

शुभेच्छु

नारायण प्रसाद चेजारा, महेश कुमार चेजारा

फर्म :

■ मोहन मैरिज गार्डन, खण्डेला (सीकर)

■ मनोज मार्बल, ननी दमन

श्रीमती गुलाब देवी (मोहरी देवी)

(धर्मपत्नी स्व. श्री रामगोपाल जी पारमूवाल)

ग्राम पंचायत रैवासा, 207 वोटों से पं. स. पलसाना से **डायरेक्टर** पद पर निर्वाचित होने पर **हार्दिक बधाई**

शुभेच्छु

पुत्र-पुत्रवधु : प्रकाश-मंजू, मुकेश-सरोज, पुत्री-दामाद : मीरा-हनुमान लाल नरायना, जयपुर, सीमा-शंकर भोरोदिया जयपुर, पौत्र : नमन, विष्णु, प्रिंस, पौत्रियां : सोनाली, गुनगुन, साक्षी, दिव्या, स्नेहा, दोयता : हेमांशु, शुभम, सन्नी, दोयती : हरिवश भोरोदिया एवं समस्त पारमूवाल परिवार रैवासा (सीकर)

पूज्य संत श्री मुरली मनोहर 'अकिंचन'

आज भागवत कथा के पर्याय के रूप में जिन महान संत की चर्चा है वो हैं आदरणीय पूज्य संत श्री मुरली मनोहर 'अकिंचन'। आपका जन्म श्री राम नारायण कुमावत (मूंधोल्या) के परिवार में श्री मुरली मनोहर जी के मंदिर की गली, नींदड राव का रास्ता, चांदपोल बाजार, जयपुर में 9 सितम्बर, 1961 को हुआ। आपकी प्रारम्भिक शिक्षा बाल संस्कृत विद्यापीठ नींदड राव जी का रास्ता, जयपुर में हुई। खेलने की उम्र में ही आप बचपन से अपना अनमोल समय मुरली प्रभु के चिन्तन एवं मनन में व्यतीत करते थे। आपके 5 वर्ष की अवस्था में हाथ में फ्रेक्चर हुआ किन्तु तब भी आपने हठ करके हार्मोनियम मंगवाया तथा उसे सीख लिया था। इसके पश्चात् आपने तोपखाना स्थित राजकीय दरबार स्कूल, जयपुर तथा कॉमर्स कॉलेज, जयपुर से वर्ष 1983 में बी.कॉम किया तत्पश्चात् प्राइवेट स्कूल में सेवारत होकर कार्य किया जहाँ स्कूल की सारी जिम्मेदारी आप पर थी। आपने माता-पिता से बाल्यकाल से ही धार्मिक संस्कार सीखे एवं धार्मिक रुचि जागृत हुई। आपके मित्र की माताजी के साथ आप अक्सर गोविन्द देवजी के दर्शन के लिए जाते थे।

वर्ष 1978 में पारिवारिक मित्र अरोड़ा परिवार के साथ आप वृंदावन गए जहां आपने उनके परिवारिक गुरु सिद्ध संत श्रीमन्माध्वगौड़ेश्वराचार्य श्री श्री 1008 श्री रासबिहारी जी महाराज से आध्यात्मिक ज्ञान एवं दीक्षा प्राप्त की।

1995 में माताजी एवं 1997 में पिताजी के देवलोक गमन के बाद आपके जीवन में अचानक परिवर्तन आया और श्रीगुरुदेव की प्रेरणा से धर्म मार्ग में कदम रखते हुए वर्ष 2000 में शेखावाटी मुकुन्दगढ़ में आपने प्रथम **श्रीमद् भागवत कथा** की। इसके पश्चात् धर्म परायण समाजसेवी श्री ओम प्रकाश जी मोदी (ओ.के. प्लस ग्रुप) के सहयोग से फरवरी 2002 से अप्रेल 2005 तक **निरन्तर तीन वर्ष 50 दिन में श्रीमद्भागवत की 151 कथाएँ करके विश्व कीर्तिमान स्थापित किया।** आप अब तक 460 श्रीमद् भागवत कथा कर चुके हैं। इसके अतिरिक्त लगभग 50 श्रीराम कथा, 30 नानीबाई का मायरा एवं श्रीमद् हनुमत चरित्र कथा भी आप द्वारा की गई है। प्रारम्भ में आध्यात्म मार्ग में कदम रखते ही आपको विप्र समाज का अत्यधिक विरोध का सामना करना पड़ा विपरीत परिस्थितियों से जुझते हुए आप आज इस मंजिल पर पहुंचे है। आपके लगभग 2000 अनुयायी हैं जिनमें कुमावत समाज व अन्य सभ्रान्त समाजों के भी अनुयायी हैं। आप अपने अनुयायियों को गुरुदीक्षा नहीं देते हैं अर्थात् शिष्य प्रथा को नहीं अपनाते हैं। आपका कहना है कि सभी के गुरु ईश्वर हैं व भगवान कृष्ण के उपदेशों का पालन करने से उद्धार होता है। आप सभी शिष्यों को समान दृष्टि से देखते हैं। **.....शेष पृष्ठ 10 पर**

चित्रकार विजय वर्मा को कालिदास राष्ट्रीय सम्मान

पारम्परिक शैली के चित्रकार विजय वर्मा (कैक्टया) को कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन की ओर से आयोजित कालिदास समारोह के तहत आयोजित राष्ट्रीय कालिदास चित्र एवं मूर्तिकला प्रदर्शनी के लिए जयपुर के चित्रकार विजय वर्मा की कृति **'मन की बात'** का चयन किया गया। इस चयन के आधार पर इन्हें कालिदास राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया गया। सम्मान स्वरूप एक लाख रुपए, श्री फल, शॉल, प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिह्न से अलंकृत किया गया। विजय वर्मा इससे पूर्व भी 2006 में सम्मानित हो चुके हैं। इनकी कृतियाँ देश विदेश के राजकीय संग्रहालयों एवं निजी संग्रहालयों में संग्रहित हैं। आप कुमावत समाज के प्रतिभावान युवा चित्रकार हैं। - **नाथूलाल कैक्टया,** चित्रकार, जयपुर

वरिष्ठ समाज सेवी एडवोकेट श्री लादूराम कुमावत, ब्यावर

धमाल गायक जोधा जी के पुत्र श्री मांगीलाल जी बैडवाल के परिवार में होली के पावन त्यौहार पर 28 फरवरी, 1939 को श्री लादूराम का जन्म हुआ। आप पढ़ाई में बहुत प्रवीण थे, प्रारम्भ से प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए, एम.ए. अर्थशास्त्र प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण किया। सन् 1961 में लोक सेवा आयोग से चयनित होकर अजमेर में इंस्पेक्टर ऑडिट में नियुक्त हुए। तत्पश्चात् अपना ट्रांसफर कराकर ब्यावर के बी.एन. के सहकारी होलसेल उप भण्डार में जनरल मैनेजर एवं ऑडिटर बने। जवाजा के विकास अधिकारी रहे तथा सन् 1997 में आर.ए.एस. ग्रेड से सेवानिवृत्त हो गये। आपको वकालत में रुचि थी तथा 1975 में एलएलबी की डिग्री प्राप्त की। सेवानिवृत्ति के बाद आपने वकालात भी की।

आपने बचपन में ब्रिटिश शासन के दौरान भारत में भुखमरी, दरिद्रता व अत्याचार को निकट से देखा तथा द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद आई मंदी से आमजन को द्रवित होते आपका मन दुखी हुआ। परिणाम स्वरूप आपके कोमल मन में क्रांति का बीज अंकुरित हुआ। आपके क्रांतिकारी विचारों में मानवीय अस्मिता, लिंग भेद आधारित वेतन असमानता, धार्मिक भेदभाव रहित समतामूलक विचारधारा दृष्टिगोचर होती थी। आप अपने जनवादी तेवरों से तत्समय के कामरेड नेताओं के साथ श्रमिक हितों की आवाज उठाते थे व कर्मचारी आंदोलन का नेतृत्व करते थे इस कारण आप 15 दिवस जेल में भी रहे। आपकी पहचान राष्ट्रीय स्तर पर थी तथा आपके लेखनों में श्रमिक उत्थान तथा क्रांतिकारी छवि स्पष्ट झलकती थी।

आपका विवाह फुलेरा निवासी रामदेवजी नागा की सुपुत्री चंदा देवी से हुआ जिसे आपने अपने विचारों के रंग में रंगा जो महिलाओं में क्रांति की मसाल जाग्रत करने में सहयोगी रही।

आपने सेवा में रहते हुए कई सामाजिक लेख लिखे जो समाज की पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए। आपने समाज इतिहास के बारे में बहुत शोध किया जो एल.आर. बैडवाल के नाम से प्रकाशित हुए। आप 81 वर्ष की आयु में 26 अक्टूबर, 2020 को बैकुण्ठवास चले गये। आपके जाने से समाज ने एक वरिष्ठ समाज सेवी, समाज सुधारक, पत्रकार एवं श्रमिक नेता खो दिया जिसकी पूर्ति होना असम्भव है।

ज्येष्ठ पुत्री यामिनी के बंधवाई पगड़ी

नागौर भाजपा के भीष्म पितामह कहे जाने वाले हरीश चन्द्र कुमावत के युवा पुत्र एवं कुचामन विकास परिषद के अध्यक्ष श्री प्रकाश जी कुमावत के आकस्मिक निधन के पश्चात द्वादशा पर आयोजित पगड़ी के दस्तूर हुआ। स्वर्गीय प्रकाश जी के तीन लड़कियां ही हैं, ज्येष्ठ पुत्री यामिनी कुमावत को नगर के अनेक गणमान्य नागरिक एवं समाज के विभिन्न पदाधिकारियों परिवार जनों एवं रिश्तेदारों के बीच पगड़ी पहनाई गई और तिलक कर उपस्थित समाजजनों ने आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर हर उपस्थित व्यक्ति की आंखे नम हो गई।

पूर्व पार्षद प्रकाश जी अपने उद्बोधन में सदैव महिला सशक्तिकरण की बात करते थे तथा अपनी तीनों बेटियों का उदाहरण देते थे। उनके पिता हरीश चन्द्र कुमावत भी महिलाओं से कुरुतियां जैसे घुंघट प्रथा आदि त्यागने का आह्वान करते रहे हैं। **बड़ी पुत्री यामिनी को पगड़ी पहनाकर परिवारजन एवं समाजजनों ने महिला सशक्तिकरण की अनुकरणीय मिसाल पेश की है।** इससे पूर्व भी ब्यावर में कुछ दिनों पूर्व दिवंगत श्री ओम प्रकाश की बड़ी पुत्री को समाजजनों द्वारा पगड़ी पहनाकर मिसाल पेश की थी। इससे समाज में बेटे-बेटी का भेद समाप्त करने में मदद मिलेगी।

आनंद प्रकाश ने इंटरनेट हैकिंग के बादशाह

26 वर्षीय आनन्द प्रकाश पुत्र श्री देवीलाल होदकास्या निवासी भादरा द्वारा इंटरनेट हैकिंग के क्षेत्र में कम उम्र में ही ट्वीटर, फेस बुक एवं उबर जैसी कम्पनियों के सॉफ्टवेयर में निहित गड़बड़ियों की तलाश कर नाम कमाया है। आप 21 वर्ष से ही इस क्षेत्र में हैं, बग बाउंटी (हैकिंग) के काम में पहचान के साथ पुरुस्कार व नकद राशि भी इनको दी गई है। आप 2014 व 2016 में दूसरे सबसे बड़े एथिकल हैकर थे। इंक-42 की रिपोर्ट के अनुसार भारत इस क्षेत्र में प्रथम स्थान पर है वहीं आनन्द प्रकाश शीर्ष स्थान पर है। आपने गलत तरीके से इंटरनेट के माध्यम से डेटा चुराने वालों के इरादों को विफल कर दिया है। श्री आनन्द प्रकाश अब तक इस क्षेत्र में कार्य करते हुए 2 करोड़ से अधिक के इनाम जीत चुके हैं। आप अभी डेटा सुरक्षा के लिए ऐप सिक्योर नाम की कम्पनी के सीईओ भी हैं।

आपकी इस सफलता से कुमावत समाज गौरवान्वित हुआ है। '**कुमावत इण्डिया**' पत्रिका आपको बधाई देती है एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

कैनवास आर्टिस्ट विजय वर्मा का सम्मान

श्री विजय वर्मा, गुढ़ागोड़जी निवासी हाल निवासी मुम्बई द्वारा अपनी अद्भुत कलाकृतियों से देश-विदेश में पहचान बनाई है। आपकी पेंटिंग्स छत्रपति शिवाजी इंटरनेशनल एयरपोर्ट मुम्बई पर प्रदर्शित है। भगवान महावीर पोट्रेट की प्रदर्शनी न्यूयार्क में लग चुकी है। आप द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, जॉर्ज बुश, महात्मा बुध, अमिताभ बच्चन के अलावा राजस्थानी संस्कृति पर आधारित गणगौर, पणिहारी व पशु-पक्षियों की पेंटिंग्स बनाई गई है। आपको अनेक संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया जा चुका है।

हाल ही में समाजसेवी, राजस्थानी फिल्म अभिनेता एवं निर्माता सुरेश मीणा किशोरपुरा की टीम द्वारा गुढ़ागोडजी में उनके आवास पहुंचकर उन्हें पुष्प माला पहनाकर एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है।

टूटती साँसों के बीच, जिंदगी की आस.... कोरोना वैक्सीन!!!

दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान दुनिया की बस एक ही उम्मीद थी, ये खत्म कब होगा। 75 वर्ष बाद वैसा ही मंजर फिर देखने को मिला है। कोरोना वायरस के कहर ने अमीर-गरीब, कमज़ोर-ताकतवर, बच्चे-बूढे सभी को अपनी चपेट में ले लिया। कोविड-19 वैश्विक महामारी से पूरा विश्व जकड़ा हुआ है। महामारी पर विजय पाने के लिए पूरा विश्व जूझ रहा है। संक्रामक रोग व महामारियों का इतिहास बहुत पुराना रहा है। रियासतकालीन समय से अब तक कई संक्रामक रोगों और महामारियों से मानव सभ्यता का सामना हुआ है पर मानव जाति ने कभी हार नहीं मानी, हमेशा डटकर मुकाबला किया है और मानव जाति की जीत हुई है।

वर्ष 2020 में भी कोरोना (कोविड-19) संक्रामक बीमारी ने पूरे विश्व को अपनी गिरफ्त में ले लिया। संक्रामक रोग के चलते अनेक देशों में लॉकडाउन भी किया गया। जिसमें लोगों के घर से बाहर निकलने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया। हवाई-यात्रा, रेल-यात्रा तथा आवागमन के सभी साधनों पर भी पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया ताकि महामारी पर शीघ्रातिशीघ्र काबू पाया जा सके और इसमें काफी हद तक हम कामयाब भी हुए हैं।

महामारी के कारण पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था चौपट हो गई। बड़ी-बड़ी कम्पनियों के कामधंधे बंध होने के कगार पर है, मजबूरन उनको स्टाफमें कमी करनी पड़ी जिससे लोग बेरोजगार हो गये। महामारी के चलते बहुत लोग जिंदगी और मौत से लड़ रहे हैं, काफी लोगों ने इस पर विजय प्राप्त की है वहीं कुछ ने अपनों को खोया भी है। जिंदगी और मौत बीच का तांडव वो लोग कभी नहीं भूल पायेंगे जिन्होंने अपनों को खोया है। कोरोना की इस जंग में हम तभी कामयाब हो पायेंगे जब हम पूरी सावधानी रखेंगे।

पूरा विश्व कोराना वायरस के खात्मे की आस लगाए बैठा है। दुनिया भर में सात करोड़ से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं और करीब 17 लाख मौतें हो चुकी हैं। इसमें से 1 करोड़ से ज्यादा केस तो भारत में ही हैं। जाहिर है सबकी निगाहें कोरोना वायरस की वैक्सीन पर हैं, जिसे भारत सहित कई देश बनाने की कोशिश कर रहे हैं। दर्जनों से भी ज्यादा क्लीनिकल ट्रायल चल रहे हैं। कुछ देशों के ट्रायल अंतिम चरण में हैं। उम्मीद है कि वर्ष 2021 में कोई वैक्सीन तैयार हो व लोगों को इस महामारी से निजात मिले और एक बार फिर मानव जाति की जीत हो।

-जयसिंह गुडीवाल, मो. 9461343432

झोटवाड़ा में मॉस्क व आयुर्वेदिक काढ़ा वितरण

28 नवम्बर को अखिल भारतीय क्षत्रिय कुमावत मंच. (रजि.) के तत्वावधान में कांटा चौराहा झोटवाड़ा जयपुर पर नि:शुल्क मास्क वितरण व आयुर्वेदिक काढ़ा वितरण किया गया, कार्यक्रम के शुभारंभ में सुश्री वरुणा कुमावत ने क्षत्रिय कुमावत समाज के आराध्य देव श्रीराम की तस्वीर पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर वितरण आरंभ किया गया, इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मनोज सिंह कुमावत, राष्ट्रीय सलाहकार श्री तरुण कुमावत , महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती इंदु कुमावत, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री राजेश कुमावत, राजस्थान महिला अध्यक्ष श्रीमती सुमन कुमावत, जयपुर महिला अध्यक्ष श्रीमती कोमल कुमावत, राजस्थान प्रदेश प्रवक्ता श्री लोकेश कुमावत , सदस्य श्री सतीश सिरोहिया, ईश्वर लाल जी, हिमांशु सिंह, पीयूष सिंह कुमावत, संयोगिता सिंह , सुनीता कुमावत ,वरुणा कुमावत व अन्य गणमान्य समाज बन्धु मौजूद रहे। इस अवसर पर संस्था ने 500 लीटर आयुर्वेदिक काढ़ा व 2000 मास्क का वितरण किया गया। सभी सहयोगियों ने अपनी अथक प्रयासों से कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न किया ।

शंकर बालोदिया (वन्दना फ्लावर्स) द्वारा सम्मान समारोह

समाज सेवी एवं भामाशाह शंकर बालोदिया वंदना फ्लावर्स द्वारा 15 दिसम्बर, 2020 को, नवनियुक्त भाजपा जयपुर जिला उपाध्यक्ष श्री विमल कुमावत एवं नवनिर्वाचित पार्षद श्री राजेश धुंधारिया एवं श्री राजेश कुमावत का माला, साफा व दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। श्रीमती कपिला कुमावत व्यस्त होने के कारण समारोह में नहीं आ सकी। इस अवसर पर 'कुमावत इण्डिया' पत्रिका ट्रस्टी सर्वश्री हेमचन्द खड़गटा, सी.एम. कुमावत, मनोज सिरस्वा एवं विनोद बालोदिया तथा चेतन धुंधारिया व टीम के सदस्य सर्वश्री जयसिंह गुड्डीवाल, खेमचंद खड़गटा, राकेश गैदर, विजय कारगवाल, नरेन्द्र मारवाल, रमेश कुण्डलवाल, रूड़मल कारगवाल, दीपक सिरोहिया, नीरज कुमावत, राजेश देवतवाल, मधु कुमावत पार्षद प्रत्याशी, बाबूलाल (डायमण्ड फ्लोरिस्ट) व समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

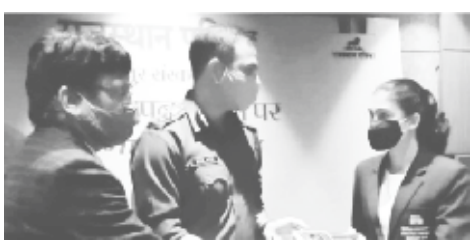

नेहा कुमावत सम्मानित

राजस्थान पत्रिका के 40वें स्थापना दिवस पर कु. नेहा कुमावत अन्तर्राष्ट्रीय कयाकिंग खिलाड़ी का श्री कैलाश चन्द विश्नोई पुलिस अधीक्षक उदयपुर द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्री संदीप पुरोहित संपादक राजस्थान पत्रिका उपस्थित थे। नेहा कुमावत पुत्री श्री सुरेश कुमावत अनेक संस्थाओं से सम्मानित की जा चुकी है।

नौसेना में अफसर बने अमन कुमावत

झुंझुनूं जिले के अणगासर निवासी श्री अमन कुमावत भारतीय नौसेना में लेफ्टिनेंट के पद पर चयनित हुए हैं। आपने भारतीय नौसेना अकादमी एझिमाला केरल में चार वर्ष तक प्रशिक्षण लिया है। आप द्वारा बीटेक मेकेनिकल किया है। आपके पिता श्री राजेन्द्र कुमार भारतीय नौसेना में कमाण्डर हैं।

आपके लेफ्टिनेंट के रूप में चयन होने से आपका परिवार, गांव एवं कुमावत समाज गौरवान्वित हुआ है। आप नौसेना में अदम्य साहस का परिचय देते हुए सेवा देकर समाज का नाम रोशन करेंगे।

'कुमावत इण्डिया' पत्रिका आपकी सफलता के लिए बधाई देती है एवं आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

कुमावत समाज का ऑनलाइन परिचय सम्मेलन

नामली के श्री क्षत्रिय सूर्यवंशी कुमावत समाज एवं ओमप्रकाश सनेचा युवा मित्र मण्डल के द्वारा 300 से अधिक विवाह योग्य युवक-युवतियों ने 22 नवम्बर को ऑनलाईन परिचय सम्मेलन करवाकर अभूतपूर्व कार्य किया है।

आयोजकों ने तकनीक के माध्यम से युवक-युवतियों को वाट्सएप ग्रुप के माध्यम से जोड़कर ऑनलाईन परिचय सम्मेलन आयोजित किया है जिसमें कुमावत समाज चिंतन मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश सनेचा, उपाध्यक्ष सानू कुमावत, सचिव देवेन्द्र कुमावत, सह सचिव सत्यनारायण (जावरा), सोनू कुमावत (तराना), कोषाध्यक्ष गोपाल यादव, नगर एवं ग्रामीण प्रभारी तथा समाज के गणमान्य लोगों ने भाग लिया। इसे ऑनलाईन 3000 परिवारों द्वारा देखा गया।

मदनगंज-किशनगढ़ में समाजजनों की गोष्ठी

क्षत्रीय कुमावत समाज मदनगंज की ओर से अग्रसेन विहार अजमेर रोड पर एक गोष्ठी एवं गोठ का आयोजन किया गया जिसमें समाज के युवाओं, महिलाओं एवं बुजुर्गों ने भाग लिया। इस गोष्ठी में सामाजिक विकास, मृत्यु भोज के परित्याग, कोविड-19 से बचाव एवं छात्रावास के निर्माण पर चर्चा हुई। इस चर्चा में हेमचन्द देवतवाल, गंगादेवी तुंगरिया, श्याम सुन्दर सिरसीवाल, प्रहलाद मारवाल, कैलाश किरोड़ीवाल, हरकचंद मारोठिया आदि समाजबंधुओं ने हिस्सा लिया एवं अपने विचार व्यक्त किए। किशनगढ़ पंतजलि योग समिति के सह प्रभारी प्रभुदयाल तुंनगरिया ने योग प्राणायाम के बारे में जानकारी देते हुए नियमित योग करने की सलाह दी जिससे कि तन-मन स्वस्थ रहे।

प्रहलाद मारवाल ने आयुर्वेदिक काढ़े के सेवन पर जोर दिया वहीं कैलाश किरोड़ीवाल ने स्वैच्छिक रक्तदाताओं की सूची तैयार करके जिन्हें जरूरत पड़े उन्हें रक्त दान करके रक्त उपलब्ध कराने का आह्वान किया। हेमचन्द देवतवाल ने छात्रावास निर्माण का प्रस्ताव रखा। **- प्रभु दयाल तुनगरिया**

IAS, RAS व RJS परीक्षा हेतु वेबीनार आयोजन

समाज की प्रशासनिक भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से **'बाबू शोभाराम मेमोरियल ट्रस्ट जयपुर'** द्वारा आगामी IAS, RAS व RJS प्रतियोगी परीक्षाओं में समाज के अभ्यर्थीगण अधिक से अधिक संख्या में भाग ले इस हेतु एक प्रयास किया जा रहा है।

जिसके तहत ट्रस्ट चैयरमैन श्री महेन्द्र लाल कुमावत IPS (Ex.chairsman RPSC) व भारतीय व राज्य प्रशासनिक सेवाओं में कार्यरत समाज के अधिकारीगण व Exam experts Online webinar (सेमीनार) के माध्यम से तैयारी हेतु गाईड लाईन व टिप्स देंगे व प्रोत्साहित करेंगे।

समाज के इच्छुक अभ्यर्थी नीचे भेजे जा रहे प्रपत्र में मांगी गई सूचना भरकर मोबाइल न. 99820- 52451, 9413822355, 9887440666 पर वाट्सएप पर प्रेषित करसकते हैं। ताकि उन्हे कार्यक्रम की सूचना दी जा सके व Online link भेजा जा सके।

इस हेतु कृपया निम्न विवरण भेजे :-

Name of candidate ___, Age ___, Qualification _ , Currently Working __ , Fathers name____, Address _____, Mobilel/whatsapp no. _____' E-mail id _____

- सुरेन्द्र कुमावत लाम्बा (एडवोकेट हाईकोर्ट जयपुर)
सचिव बाबू शोभाराम मेमोरियल ट्रस्ट

केबीसी-12 में पूछा गया बाबू शोभाराम संबंधी 1 करोड का सवाल

टीवी शो कौन बनेगा करोड़पति-12 में अमिताभ बच्चन ने हॉट सीट पर बैठे मध्यप्रदेश के विजयपाल सिंह **से एक करोड़ रुपए से जुड़े सवाल** अलवर राजस्थान के बाबू शोभाराम कुमावत संबंधी पूछा कि शोभाराम राजस्थान के गठन के एक चरण में संक्षिप्तकालीन संघों में से 4 विकल्प दिये थे कि वे किस संघ के मुख्यमंत्री थे। **केबीसी-12 में पूछे गए सवाल से कुमावत समाज व अलवर गौरवान्वित हुआ है।** 18 मार्च, 1948 को तत्कालीन रियासतें अलवर, भरतपुर, धौलपुर और करौली को मिलाकर मत्स्य संघ बना था।

ध्यान रहे बाबूशोभाराम कुमावत मत्स्य संघ के मुख्यमंत्री नहीं अपितु प्रधानमंत्री थे। किन्तु श्री विजयपाल भी यह जवाब नहीं जानते थे तथा क्वीट करने का फैसला लिया।

नासिक में समाज की नवीन कार्यकारिणी चयनित

नासिक जिला कुमावत बेलदार समाज उन्नती मण्डल के पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है जिसमें सर्वश्री अशोक राव भवरे अध्यक्ष, अतुल रघुनाथ जी चव्हाण उपाध्यक्ष, कैलाश राव मालवाल सचिव, कैलाश राव सारड़ीवाल सह सचिव तथा संघटक रूपेश मधुकर कुमावत, अर्जुन राव अनावड़े, रामचंद्र कुमावत नियुक्त किए गए। सलाहकार के पद पर मोहन राव, प्रफुल्ल चंद कुमावत, सुभाष राव मामोड़े की नियुक्ति हुई है। नवनिर्वाचित/नियुक्त कार्यकारिणी को बधाई।

कुमावत समाज मालवीय नगर, जयपुर के चुनाव निरस्त

कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर की कार्यकारिणी के लिए चुनाव प्रक्रिया दिनांक 25.12.2020 से प्रारम्भ किया जाना तथा मतदान 10 जनवरी, 2021 को कराए जाने की घोषणा की गई थी। इस हेतु श्री गोपाल जालवाल को मुख्य चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया था। जिन्होंने चुनाव कार्यक्रम घोषित होने के बाद तथा समिति के **सर्वश्री सुरेश धुमनिया, हेमन्त कुलचानिया, बृजगोपाल निमीवाल, रामलाल नेहरा एवं भागचन्द दम्बीवाल द्वारा लिखित आपत्ति करने पर** मुख्य चुनाव अधिकारी द्वारा घोषित **चुनाव निरस्त** कर दिए गए हैं। चुनाव निरस्त करने के आदेश में कोई कारण स्पष्ट नहीं किया गया है एवं आगे चुनाव कराने का अभी कोई कार्यक्रम नहीं दिया गया है।

डॉ. बलवीर कुमावत के चिकित्सा अधिकारी नियुक्ति पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई।

डॉ. दिव्यांशी खण्डारिया द्वारा MBBS के बाद MCI परीक्षा प्रथम बार में उत्तीर्ण करने पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई।

मोहनलाल धुंधारिया ने गाय बचाने में विशेष सहायता की

जोबनेर के सुन्दरपुरिया ग्राम पंचायत की ब्राह्मणों की ढाणी में खुले मुंडेर के कुएं में एक गाय गिर गयी थी जिसे सुरक्षित निकालना अत्यन्त मुश्किल था, किन्तु श्री मोहनलाल धुंधारिया ने मौके पर पहुंचकर पुलिस व प्रशासन को सूचना दी तथा ग्रामीणों की सहायता से गाय को जिंदा कुएं से निकालने में विशेष सहयोग किया। खुले मुंडेर के कुओं के कारण ऐसी अनहोनी होती रहती है न जाने कब प्रशासन ध्यान देगा? जागरूक समाजसेवी मोहनलाल धुंधारिया एवं ग्रामीणों के कारण इस बार गाय को बचाया जा सका। किन्तु न जाने कब प्रशासन इन हादसों को टालने के लिए सजग होगा?

माँ वैष्णो देवी पदयात्रा सेवा समिति द्वारा 5000 मास्क वितरित

माँ वैष्णो देवी पदयात्रा सेवा समिति जयपुर के तत्वावधान में कोरोना महामारी से बचाव हेतु जागरूकता अभियान तथा नि:शुल्क मास्क वितरण किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ श्री रमेश सैनी थाना इंचार्ज बजाज नगर, जयपुर, पार्षद राजेश बालोदिया एवं पार्षद अभिषेक सैनी द्वारा किया गया जिसमें 5000 मास्क वितरित किए गए। इस अवसर पर अध्यक्ष श्री माधव बालोदिया, संरक्षक पी.सी. कुमावत, महामंत्री राजेन्द्र प्रसाद जूनवाल तथा संयोजक श्री नवरतन राजोरिया उपस्थित थे जिन्होंने 'मास्क ही वैक्सिन है' का संदेश दिया।

अजमेरा (कुमावत) परिवार का कार्यक्रम स्थगित

श्री सोहन लाल अजमेरा द्वारा बताया गया है कि अजमेरा (कुमावत) परिवार का 3 जनवरी, 2021 को आयोजित किए जाने वाला नववर्ष मिलन एवं पौषबड़ा कार्यक्रम राज्य सरकार की कोरोना गाईड लाइन को मध्यनजर रखते हुए स्थगित कर दिया गया है।

श्री दयाशंकर रावडिया निवासी उदयपुर को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका द्वारा उदयपुर प्रभारी व पत्रिका सहयोगी मनोनीत किया है। इनके पत्रिका से जुड़ने से पत्रिका को नई बुलन्दियां मिलने की आशा है।

पूज्य संत श्री मुरली मनोहर 'अकिंचन'

पृष्ठ 5 से आगे...

पूज्य महाराज जी की श्रीमद् भगवत गीता कथा अलग अंदाज में करते हैं जिसमें निरन्तरता का एक झरना सा बहता है। आपकी सद्वाणी में काफी गहराई और मिठास है जो आपको अन्य संतों से अलग करती है। कथा के दौरान चेहरे पर आनन्द व शांति का असीम भाव भक्तों को मंत्रमुग्ध कर देता है। आप धार्मिकता, श्रीमद् भागवत प्रेम, ज्ञान एवं श्रद्धा के अलावा करुणा, संवेदनशीलता एवं मानवीयता से ओत-प्रोत है। आप श्रीमद् भगवत गीता को ही अपना परम धन मानते हैं तथा अकिंचन भाव में स्थिर रहने के कारण श्री गुरुदेव द्वारा प्रदत्त नाम 'अकिंचन' से जाने जाते हैं जिसका आशय है कि स्वयं दीनहीन भाव में रहना व धन-दौलत से विरत रहना। आज भी आप एक छोटे से घर में निवास कर रहे हैं।

सेवा कार्य: 1. लगभग 15 से 20 आर्थिक रूप से कमजोर परिवार की कन्याओं का विवाह, 2. आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को शिक्षा में सहयोग, 3. वनवासी समाज कल्याण हेतु सहायता, 4. कोरोना महामारी में पीड़ित परिवारों को भोजन पैकेट एवं भोजन सामग्री की नियमित सहायता, 5. कुष्ठ रोगियों को भोजन पैकेट वितरण, **6. गौ सेवा** : 1. लगभग 20 लाख रुपये की लागत से गौमाता हेतु 5 बाड़ों का निर्माण-ग्राम जोतड़ावाला तह. सांगानेर, पिंजरा पोल गौशाला, सांगानेर, जयपुर, पुष्कर आदि गौशाला अजमेर एवं उच्चैन गौशाला (भरतपुर), 2. प्रतिमाह गौशालाओं में चारे की व्यवस्था (उपरोक्त सेवाऐं सभी भक्तों के अपार सहयोग से ही सम्पन्न होती है), 7. बालाश्रम में सहयोग एवं मंदिरों के जिर्णोद्धार हेतु कथाएं समर्पित।

आप वर्ष में लगभग दो बार तीर्थ स्थानों पर कथाओं का आयोजन एवं सेवा कार्य करते हैं। **अब तक आप द्वारा बद्रीनाथ, जगन्नाथपुरी, रामेश्वरम, द्वारिका, मल्लिकार्जुन, शिर्डी, बनारस, चित्रकुट, उज्जैन, गौवर्धन, ऋषिकेश, हरिद्वार, अमरकंठक, शुक्रताल, नैमिषारण्य, पुष्कर व दो बार कैलाश मानसरोवर में श्रीमद भागवत कथा कर चुके हैं।** अधिकाधिक लोगों को ईश्वर से जोड़ने के प्रयास में साढ़े तीन लाख हनुमान चालिसा पाठ का आयोजन भी आप द्वारा करवाया गया है। कार्तिक मास में लगभग 2000 भक्तों द्वारा सवा दो करोड़ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्रों का जप किया जाकर लाभ प्राप्त कराया है।

हमारे समाज में ऐसे महान् संत का जन्म लेना सौभाग्य की बात है। आपसे समाज के अधिक से अधिक लोग जुड़े यही प्रार्थना है। आप लम्बी आयु तक धार्मिक कथाओं के माध्यम से सर्वसमाजों एवं मानव जगत का भला करते रहने के लिए **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका आपकी दीर्घायु की कामना करती है। पूज्य महाराज साहब को सादर नमन।

महासभा भवन निर्माण, उदयपुर

दो वर्षों से उदयपुर स्थित महासभा भवन समाज बन्धुओं के सामाजिक एव मांगलिक कार्य हेतु उपलब्ध करवाया जा रहा है।

शुरुआत में भवन में रसोईघर बना हुआ नहीं था और उस दौरान मांगलिक कार्य महासभा भवन में हुए और रसोई घर की नितांत आवश्यकता महसूस हुई ।

तत्पश्चात कार्यकारणी द्वारा निर्णय लिया गया कि रसोई का निर्माण करवाया जाये लेकिन उस समाज बंधुओं के मांगलिक कार्य हुए उससे जो भी सहायता राशि प्राप्त हुई वो रसोई घर निर्माण के लिये बहुत कम थी।

अत: समाज बन्धुओ की सुविधा और उपलब्ध फंड कोष को ध्यान में रखते इस पर एक निर्णय लिया गया कि रसोई घर के निर्माण में अल्प अवधि के लिये जो भी समाज बन्धु स्वेच्छा से आर्थिक सहयोग करना चाहते है उन समाज बन्धुओ से एक निर्धारित राशि प्राप्त उन्हें बिना ब्याज के अति शीघ्र वापस लौटा दी जाये।

समाज हित के लिए गए निर्णयानुसार कार्यकारणी सदस्यों एवं कुछ आदरणीय समाज बन्धुओं द्वारा आर्थिक सहयोग दिया गया। रसोई घर निर्माण में प्राप्त आर्थिक सहयोग राशि किये गये वायदे के अनुसार लौटा दी गई है।

इनमें से कुछ समाज बन्धुओं द्वारा स्वेच्छा से यह राशि निर्माण सहयोग के लिये जमा करवा दी है : श्री जितेन्द्र जी आर्य, श्री अनूप जी टाँक, श्री दया शंकर जी रावड़िया एवं श्री युवराज सिंह जी नाहर।

जिन-जिन समाज बन्धुओं ने रसोईघर निर्माण हेतु राशि दी है उनका विवरण निम्न प्रकार है : सर्वश्री जी एल सिंघनवाल- 50, 000 रुपये, हेमंत जी टाँक 20,000, भरत अडानिया 20,000, जितेन्द्र आर्य 20,000, प्रदीप माननीया 20,000, अनूप टाँक 34,000, दया शंकर रावडिया 20,000 एवं युवराज सिंह नाहर 20, 000

जिन समाज बंधुओं ने सहयोग राशि देकर मदद की है उससे रसोईघर का निर्माण कार्य पूर्ण हुआ है। जिससे समाज बन्धुओं के लिए मांगलिक कार्य के लिये सुविधा उपलब्ध हुई है।

- युवराज सिंह नाहर, अध्यक्ष
नगर महासभा, उदयपुर

महासभा भवन, उदयपुर के निर्माण का द्वितीय चरण 'अभियान आशियाना' प्रारम्भ

पूर्व नगर महासभा कार्यकारणी द्वारा रामनवमी (जातीय दिवस) 28 मार्च 2015 को पूर्व अध्यक्ष, श्रीमान दयाशंकर जी रावडिया द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सभी समाज बन्धुओं के समक्ष एक निर्णय महासभा भवन निर्माण को आरम्भ करने का लिया था। उनके अथक प्रयासों से एवं सभी बन्धुओं के अमूल्य सहयोग से आज भवन का निर्माण कार्य यहां तक पहुंचा कि अब भवन प्रांगण में समाज बन्धुओं के सामाजिक एव मांगलिक कार्य सम्पन्न होने लगे है।

मैं भी पूर्व कार्यकारी टीम में था और आज आपके आशीर्वाद से मुझे नगर महासभा अध्यक्ष चुन कर नेतृत्व का सौभाग्य प्राप्त हुआ है ।

यहां यह भी बताना चाहूंगा कि कुशल नेतृत्व एवं सटीक योजनाओं को अंजाम देने में परिपूर्ण हमारे पूर्व अध्यक्ष श्रीमान दयाशंकर जी रावड़िया का आज भी हर कदम-कदम पर सहयोग मिल रहा है ।

हमारा अगला अभियान महासभा भवन के द्वितीय चरण को अतिशीघ्र आरम्भ करना है जिससे कि जो निर्माण कार्य हो चुका है वो धीरे-धीरे खराब नहीं हो। हम उन भामाशाहों के सहयोग को व्यर्थ नहीं जाने देना चाहते है।

अब हमारा अगला कदम '**अभियान आशियाना**' है जिसके अंर्तगत हम कम से कम 300 समाज बन्धुओं को इससे जोड़ना चाहते हैं। इस अभियान के तहत प्रत्येक समाजबंधु को रु. 5,000/- का आर्थिक सहयोग '**आशियाना अभियान**' के लिये देना है। जो रु 5000 से अधिक भी हो सकता है। जिसकी अंतिम तिथि 2 फरवरी 2021 रहेगी और 12 फरवरी को द्वितीय चरण आरम्भ किया जाएगा ।

जो भी समाज बन्धु आर्थिक सहयोग करेंगे उन्हें पहले आये पहले पाए के आधार पर ये राशि नगर महासभा द्वारा वापस लौटाई जाएगी और राशि लौटाने का क्रम आगामी राम नवमी के बाद से प्रारम्भ कर दिया जाएगा।

नगर महासभा ने यह भी तय कर रखा है, 2,50,000 रुपये एक कमरे के निर्माण में सहयोग कर सकते हैं उस कमरे पर उनका या उनके कहे अनुसार नाम सौजन्य से लिखवाया जाएगा।

जिसको भी राशि लौटाई जाएगी उसे रु. 5000 के बदले रु. 5,500/- लौटाए जाएंगे। लौटाने की अवधि रामनवमी 2021 से रामनवमी 2023 तक रहेगी ।

आपके सहयोग से समाज के विकास में योगदान हो जाएगा। आशियाना अभियान में जुड़ने के लिये आज से ही समाजजन सहायता राशि की घोषणा समिति को करने का कष्ट करें।

आओं हम सभी मिलकर महासभा भवन के निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे।

युवराज सिंह नाहर, अध्यक्ष नगर महासभा उदयपुर

ठंड में जरूर खाएं ये चीजें

ठंड के मौसम में सर्दी के असर से बचने के लिए अंदरूनी गर्मी होनी चाहिए। शरीर को खुद यदि मौसम के हिसाब से ढालने की क्षमता हो तो ठंड कम लगेगी और कई बीमारियां भी नहीं होगी। यही कारण है कि ठंड में खानपान पर विशेष रूप से ध्यान देने के लिए आयुर्वेद में बहुत महत्व दिया गया है। सर्दियों में यदि खान-पान पर विशेष ध्यान दिया जाए तो शरीर संतुलित रहता है और सदी कम लगती है।

बाजरा : कुछ अनाज शरीर को सबसे ज्यादा गर्मी देते हैं। बाजरा एक ऐसा ही अनाज है। सर्दी के दिनों में बाजरे की रोटी बनाकर खाएं। छोटे बच्चों को बाजरा की रोटी जरूर खानी चाहिए। इसमें कई स्वास्थ्यवर्धक गुण भी होते हैं। और अनाजों की अपेक्षा बाजरा में सबसे ज्यादा प्रोटीन की मात्रा होती है। इसमें वह सभी गुण होते हैं, जिससे स्वास्थ्य ठीक रहता है। ग्रामीण इलाकों में बाजरा से बनी रोटी व खीचड़ी को सबसे ज्यादा जाड़ों में पसंद किया जाता है। बाजरे में शरीर के लिए आवश्यक तत्व जैसे मैग्नीशियम, कैल्शियम, मैग्नीज, फाइबर, विटामिन, एंटी ऑक्सीडेंट आदि भरपूर मात्रा में पास जाते हैं।

बादाम : बादाम कई गुणों से भरपूर होते हैं। इसका नियमित सेवन करके बीमारियों से बचाव में मददगार है। अक्सर माना जाता है कि बादाम खाने से याददाश्त बढ़ती है, लेकिन यह ड्राय फ्रूट अन्य कई रोगों से हमारी रक्षा भी करता है। इसके सेवन से कब्ज की समस्या दूर हो जाती है,जो सर्दियों में सबसे बड़ी दिक्कत होती है। बादाम में डायबिटीज को नियंत्रित करने का गुण होता है। इसमें विटामिन-ई भरपूर मात्रा में होता है।

अदरक : रोजाना के खाने में अदरक शामिल कर बहुत सी छोटी-बड़ी बीमारियों से बचा जा सकता है। सर्दियों में इसका किसी भी तरह से सेवन करने पर बहुत लाभ मिलता है। इससे शरीर को गर्मी मिलती है और डाइजेशन भी सही रहता है।

शहद : शरीर को स्वस्थ, निरोग और ऊर्जावान बनाए रखने के लिए शहद को आयुर्वेद में अमृत भी कहा गया है। यूं तो सभी मौसमों में शहद का सेवन लाभकारी है, लेकिन सर्दियों में तो शहद का उपयोग विशेष लाभकारी होता है। इन दिनों में अपने भोजन में शहद को जरूर शामिल करें। इससे पाचन क्रिया में सुधार होगा और इम्यून सिस्टम पर भी असर पड़ेगा। किन्तु दूध व शहद एक साथ नहीं लेवें।

मूंगफली : यह टाइमपास का साधन ही नहीं है अपितु गुणों से भरपूर है। 100 ग्राम मूंगफली के भीतर ये तत्व मौजूद होते हैं प्रोटीन 25.3 ग्राम, फैट्स 40.1 ग्राम, मिनरल्स 2.5 ग्राम, फाइबर 3.1 ग्राम, कार्बोहाइड्रेट 26.1 ग्राम, कैल्शियम एस-90 मिलीग्राम, फॉस्फोरस 350 मिलीग्राम, आयरन 2.5 मलीग्राम, कैरोटीन 37 मिलीग्राम। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन, मिनिरल्स आदि तत्व इसे बेहद फायदेमंद बनाते हैं। यकीनन इसके गुणों को जानने के बाद आप कम से कम सर्दियों में मूंगफली अवश्य खायेंगे।

हरी सब्जियां : अपनी खुराक में हरी सब्जियों का सेवन करें। सब्जिया शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती हैं और गर्मी प्रदान करती हैं। सर्दियां के दिनों में मैथी, गाजर, चुकन्दर, पाल, लहसुन, बथुआ आदि का सेवन करें। इनसे पाचन सिस्टम मजबूत होता है।

तिल : सर्दियों के मौसम में तिल खाने से शरीर को ऊर्जा मिलती है। तिल के तेल की मालिश करने से ठंड से बचाव होता है। तिल और मिश्री का काढ़ा बनाकर खांसी में लेने से जमा हुआ कफ तक निकल जाता है। तिल में कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं जैसे प्रोटीन, कैल्शियम, बी-कॉम्पलेक्स और कार्बोहाइड्रेट आदि। प्राचीन समय से खूबसूरती बनाए रखने के लिए तिल उपयोग किया जाता रहा है।

आयुर्वेदिक दोहे

- दही मथें माखन मिले,
  केसर संग मिलाय,
  होठों पर लेपित करें,
  रंग गुलाबी आय..
- बहती यदि जो नाक हो,
  बहुत बुरा हो हाल,
  यूकेलिप्टिस तेल लें,
  सूंघें डाल रुमाल..
- अजवाइन को पीसिये ,
  गाढ़ा लेप लगाय,
  चर्म रोग सब दूर हो,
  तन कंचन बन जाय..
- अजवाइन को पीस लें ,
  नीबू संग मिलाय,
  फोड़ा-फुंसी दूर हों,
  सभी बला टल जाय..
- अजवाइन-गुड़ खाइए,
  तभी बने कुछ काम,
  पित्त रोग में लाभ हो, पायेंगे आराम..
- ठण्ड लगे जब आपको,
  सर्दी से बेहाल,
  नीबू मधु के साथ में,
  अदरक पियें उबाल..
- अदरक का रस लीजिए.
  मधु लेवें समभाग,
  नियमित सेवन जब करें,
  सर्दी जाए भाग..
- रोटी मक्के की भली,
  खा लें यदि भरपूर,
  बेहतर लीवर आपका,
  टी.बी भी हो दूर..
- गाजर रस संग आँवला,
  बीस औ चालिस ग्राम,
  रक्तचाप हिरदय सही,
  पायें सब आराम..

जयपुर की स्थापना में कुमावत जाति का योगदान

जयपुर के इस चतुर्भुजाकार शहर को नो चौकडीयों में विभाजित किया गया है व नगर के चारों ओर सात दरवाजे बनाए गए है। इसमें चॉदपोल गेट, अजमेरी गेट, सांगानेरी गेट, घाट गेट, किशनपोल गेट, सूरजपोल गेट, चार दरवाजा व जोरावर सिंह गेट आज भी शहर के जनजीवन के साक्षी बने हुए है। उसी अनुपात में नौ चौकडिया- तोपखाना हुजूरी, तोपखाना देश, मोदी खाना, विशेश्वर जी, रामचंद्र जी, गंगापोल, पुरानी बस्ती, सरहद, आदि बना कर जयपुर को ज्योमितिनुसार विभाजित किया गया है। विभिन्न व्यवसायियों को अलग-अलग चौकडी में व्यवस्थित रूप से बसाया गया है। आमजन और व्यवसाय की सुविधा के लिए चॉदपोल बाजार, किशनपोल बाजार, गणगौरी बाजार, त्रिपोलिया बाजार, जोहरी बाजार, सिरढयोडी बाजार व रामगंज बाजार का निर्माण किया गया। महाराजा सवाई जयसिंह ने अनेक कलाकारो, विषेशज्ञों को राजाश्रय देकर यहां बसाया। उस समय नगर नियोजन एक अनसुना विषय था। क्योंकि उस समय ऐसे नगरों की कल्पना भी नही की जा सकती थी। पर अपने राजा की आज्ञा और उनके हौसले को साकार करने के लिए कुमावत शिल्पियों ने जयपुर के राजमार्ग व बसावट को ज्योमिति सिद्धान्तों और गणित की कसोटी पर खरे उतरकर बनाई। इन सड़कों के संगम को एक नाप और आकार के अनुसार एकदम वास्तु के सूत मै बांधकर एक सी दुकानें और उनके ऊपर आवासीय एवं धार्मिक भवन, हवेलियां, मंदिरों का निर्माण किया गया। यह सब कुमावत जाति की परंपरागत अदभुत स्थापत्य निर्माण शैली का नतीजा था कि आज भी चार दिवारी वाला जयपुर में आपको चौपड़, चौड़ी सड़कें व व्यवस्थित शहर दिखाई दे रहा है। महाराजा के राजशिल्पी व जयपुर निर्माण के वास्तविक सूत्रधार श्रीअनंत राम जी कैकटिया को चौपड़ खेलने का बड़ा शोक था तथा वे उस समय के बडे प्रारूपकार थे, जिन्होंने जयपुर के नक्शे में इन सुंदर चौपड़ों को अंकित करके जयपुर की सुंदरता में चार चांद लगा दिए। इन कुमावत शिल्पियों ने जयपुर की सडकों व रास्तों की ऐसी परिकल्पना की जिसके कारण किसी भी घर का मुख्य द्वार, मुख्य सड़क पर नहीं खुलता व अंदर की गलियों में खुलते है। यह करिश्मा कुमावत शिल्पियों की देन का परिणाम है, जिससे आज मुख्य सड़कों व बाजारों में ट्रेफिक जाम की स्थिति उत्पन्न नहीं होती है। कुमावत शिल्पियों ने इस शहर को बनाने में जिस शैली को अपनाया वह भारतीय स्थापत्य शैली की मुख्यधारा से अलग नहीं है लेकिन आमागढ़, वह घाट की गुणी के पत्थरों और यहां पाई जाने वाली सुर्खी और कली के मिश्रण से तैयार चूने में कुछ ऐसी विशेषता है जो अन्य कहीं नहीं मिलती, उसी का सुंदर उपयोग करने में यह शिल्पी माहिर रहे। कली और सुर्खी का मिश्रण तैयार करने के लिए पत्थर के मोटे गोल पहिये को बैलों से घुमा- घुमा कर ऐसा चूना तैयार किया जिससे बडी बडी इमारतों को बेजोड़ मजबूती मिली, यह काम कुमावत शिलपियों की मेहनत का फल है। जिसकी मजबूती को आज 293 वर्ष बाद भी भवन निर्माण विशेषज्ञों को आश्चर्य होता है और कुमावत जाति की परंपरागत अदभुत स्थापत्य निर्माण शैली को देखकर दंग रह जाते है।

- तारा चंद सिरोहिया, संकलनकर्ता

विडम्बना है कि कुमावत शिल्पकारों के द्वारा स्थापत्य में अनूठा योगदान देने के बावजूद भी जयपुर की स्थापना के वास्तुकार विद्याधर भट्टाचार्य को जगह दे कर कुमावत शिल्पकारों के योगदान को भुला दिया गया। इसके लिए हमें प्रयास करने चाहिए जिससे इतिहास की त्रुटि को सुधारा जा सके। यदि किसी के पास ऐतिहासिक सामग्री या दस्तावेज हो तो उपलब्ध कराए जिससे प्रामाणिक जानकारी के आधार पर न्याय पाए जाने की दिशा में प्रयास किये जा सके।

कुमावत शिल्पियों द्वारा किसी भी शहर की ऐतिहासिक इमारतों को बनाने की प्रामाणिक जानकारी किसी के पास हो तो कृपया पत्रिका को देवे, उसे भी 'कुमावत इंडिया' पत्रिका प्रकाशित करेगी। **-सम्पादक**

बिना लगन के विवाह

बिहार के सीवान के कुशवाहा समाज में विवाह के कोई अच्छा मुहूर्त का इंतजार नहीं किया जाता तथा बिना लगन के ही शहनाई बजाए जाने की परम्परा है। उनका कथन है कि सब दिन ईश्वर के बनाए हुए हैं व शुभ है। वैसे भी जन्म, मृत्यु निश्चित दिन तय मानी जाती है। उसी तरह रिश्ते भी पहले से तय हैं तथा ऊपर से लिखकर आते हैं।

बिना लगन शादी करने पर चीजें सस्ती व सुविधानुसार मिल जाती है जिससे अनावश्यक खर्च बचता है। इसके अतिरिक्त लगन (सावे) पर शादी करने पर सभी लोग सम्मिलित नहीं हो पाते। जैन, सिंधी और पंजाबी समाज में शादियां अधिकांशत: रविवार छुट्टी के दिन होती है इनमें अधिकांश शादियां दिन में भी सम्पन्न होती है। इनमें मल मास एवं श्राद्ध पक्ष में भी शादियां सम्पन्न होती देखी गई है।

इन समाजों की यह परम्परा एक **नई चेतना** जागृत करती है। जिस पर हमारे जैसे समाज को भी विचार करना चाहिए। मुर्हूत में शादी तय करने की दकियानुसी परम्परा को त्यागने में ही सार है। इससे अनावश्यक खर्च तो बचेगा ही तथा यह सुविधाजनक भी रहेगा।

शादी में मात्र एक रुपया लेकर मिसाल कायम की

(1) राडावास निवासी **मुकेश कुमावत** की शादी आलीसर निवासी अंशू पुत्री द्वारिका प्रसाद कुमावत के साथ 30 नवम्बर को सम्पन्न हुई जिसमें आपने नेग में केवल एक रुपया एवं नारियल लेकर मिसाल कायम की है। आपकी इस पहल से कुमावत समाज में नवीन चेतना जागृत होगी और समाज के युवाओं को प्रेरणा मिलेगी तथा बिना दहेज की शादियां करने के लिए समाज जागृत होगा।

मुकेश कुमावत ने बचपन में ही अपने पिता को खो दिया था तथा बचपन से ही आपका जीवन संघर्षमय गुजरा किन्तु आपके बड़े भाई राजेन्द्र ने आपकी जिम्मेदारी उठाई। आपकी मेहनत के बदौलत 30 अगस्त, 2020 को आपका चयन नर्सिंग ऑफिसर के पद पर बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी में हुआ है।

(2) रेनवाल के भाजपा नेता बनवारीलाल कुमावत वार्ड नं. 28 बाग की ढाणी निवासी के सुपुत्र **शंकर लाल (CA)** ने एक रुपया एवं नारियल लेकर चौमूं निवासी कोमल कुमावत से शादी करके एक अनुकरणीय पहल की है। जिसकी चर्चा समाज में हो रही है। दुल्हन कोमल के पिता सुरेन्द्र किरोड़ीवाल मजदूरी करते हैं वही दुल्हे शंकर के पिता व्यापारी हैं तथा व्यापार मण्डल के महामंत्री हैं।

श्री बनवारीलाल का कहना है कि दहेज के चक्कर में कई युवतियों की जिन्दगी नरक बन चुकी है। दहेज झूठी शान है। उन्होंने समाज के युवाओं से बिना दहेज शादी करने का अनुरोध किया है।

दहेज एक सामाजिक बुराई है न की प्रतिष्ठा का विषय। दहेज को लेकर कभी-कभी रिश्ते बिगड़ जाते हैं तथा महिला उत्पीड़न व कानूनी दावपेच में रिश्ते उलझ जाते हैं। जैसी पहल करके यदि समृद्ध परिवार के युवा बिना दहेज शादी करते हैं तो ऐसे विवाद उत्पन्न नहीं होंगे तथा वधु पक्ष को दहेज की चिन्ता से मुक्ति मिलेगी। ऐसे युवा एवं उनके परिवारजन समाज के समक्ष एक अच्छा उदाहरण प्रस्तुत कर समाज को उन्नति के पद पर प्रशस्त करने में मदद करेंगे।

'कुमावत इण्डिया' पत्रिका आपकी इस पहल का स्वागत करती है, विवाह की बधाई देती है एवं आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

नारी की शक्ति को परिभाषित करती हुई एक कविता

नारी तुम सृजनकर्ता
परिवार तुम से राष्ट्र तुम से,
तुम ही से है यह सृष्टि सारी।
तुम हो परिवार की धुरी,
तुम बिन हर दीवार अधूरी।
मंदिर में तुम दीप जलाती,
भगवान को भोग लगाती,
तुम हो अन्नपूर्णा नारी।
तीज-त्योहार तुम्हीं से,
तुम ही पकवान बनाती,
तुम ही से यह उत्सव सारे।
लाल ओढ़नी में गीत गाती,
रिवाज निभाती तुम ही,
तुम ही हो गणगौर न्यारी।
सृजनकर्ता हो पीढी की,
गोद में कुलदीपक खिलाती।
परवरिश बच्चों की तुमकों भाती।
तुम हो लक्ष्मी तुम ही दुर्गा,
तुम ही हो जगत भवानी ।
नारी की यह स्थिति सबने ही जानी।
तुम ही प्रेयेसी,
तुम ही ममता की मूरत,
तुम ही परिवार की ताकत।
तुम ही भगिनी तुम ही भार्या,
तुम ही सुता, तुम ही ढाल,
तुम हो तो है परिवार।
नारी तुम हो सृजनकर्ता,
हो तुम परिवार की पालनहार।।

-रवीना तोंदवाल ,बूंदी

'हर कोई प्रतिभाशाली होता है। लेकिन अगर आप मछली को उसकी पहाड़ पर चढ़ पाने की क्षमता से आंकेंगे तो वह जीवनभर अपने आपको नालायक ही मानती रहेगी।'

- अल्बर्ट आइन्सटाइन

'यदि आप किसी बाह्य कारण से परेशान हैं, दो परेशानी उस कारण से नहीं, अपितु आपके द्वारा उसका अनुमान लगाने से होती है, और आपके पास इसे किसी भी क्षण बदलने का सामर्थ्य है।'

- मैर्कस औयरिलियस

चुनावों में विजयी होने पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई

पंचायत समिति प्रधान

श्रीमती ममता देवी
पं.स. पाटोदी (बाड़मेर)

श्री शंकरलाल कुमावत
पं.स. मांडल (भीलवाड़ा)

श्रीमती ममता कुमावत
प्रधान, पं.स., पाटोदी (बाड़मेर)

श्री जगदीश कुमावत
उपाध्यक्ष, न.पा., जोबनेर (जयपुर)

श्री पप्पू जी कुमावत
उप प्रधान, जैतारण

श्रीमती भारती देवी
उप प्रधान, पाली

श्री लक्ष्मण धमाणिया
उप सरपंच, बिलाड़ा

श्री पूजा कुमावत
पार्षद वार्ड-12, बगरू

श्री महेन्द्र कुमावत
रोजड़ी, जयपुर

सदस्य

श्री प्रहलाद कुमावत
पं.स. सदस्य, परबतसर

श्री सुमन देवी कुमावत
पं.स. सदस्य, पिपराली

श्री राजू कुमावत
ग्रा.पं., सरेरी

श्रीमती सुशीला कुमावत
पं.स. सदस्य, दांतारामगढ़

श्रीमती संजू देवी कुमावत
पं. स. सदस्य, दांतारामगढ़

श्री बाबूलाल कुमावत
जिला परिषद सदस्य नागौर

श्रीमती आशा देवी
जिला परिषद, पाली

श्री दिलीप कुमावत
वार्ड नं. 20

श्री फूलचंद कुमावत
न.पा., जोबनेर

श्रीमती सुनीता कुमावत
न.पा., जोबनेर

वेदान्ता ग्रुप जाहोता के नंदघर को दरियाँ व कुर्सियाँ भेंट

वेदान्ता ग्रुप द्वारा चलाई जा रही नंदघर परियोजना ग्राम जाहोता-I को टीम चेतन धुंधारिया ने कुर्सियाँ व दरियाँ भेंट की। केन्द्र की बच्चियों द्वारा सम्मान गीत गाकर टीम चेतन धुंधारिया का स्वागत किया। चेतन धुंधारिया ने वहाँ उपस्थित सभी बच्चों को हाथ से निर्मित लकड़ी के खिलौने वितरित किये एवं कहा कि यहाँ बच्चों के बीच आकर वे भाव-विभोर हो गए हैं। उन्होंने आगे भी नंदघर (आंगनबाड़ी) को यथासंभव सहायता उपलब्ध कराने को कहा।

कार्यक्रम में ग्राम जाहोता के सरपंच श्री श्याम प्रताप सिंह राठौड़ व वेदांता ग्रुप के सीनियर प्रोग्राम मैनेजर श्री हेमन्त शर्मा भी उपस्थित रहे। राठौड़ ने समाजसेवी भामाशाह चेतन धुंधारिया व उनकी टीम को माला पहनाकर सम्मान किया। वेदान्ता ग्रुप के श्री हेमन्त शर्मा ने भी टीम के कार्यों की सराहना की तथा वेदान्ता ग्रुप द्वारा किये जा रहे कार्यों से अवगत कराया। वेदान्ता ग्रुप द्वारा टीम चेतन धुंधारिया को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर अनेक समाजबंधु व भामाशाह चेतन धुंधारिया, नरेन्द्र गुडीवाल (सदस्य कुमावत क्षत्रिय सामूहिक विवाह समिति) जयसिंह गुडीवाल (वरिष्ठ उपाध्यक्ष कुमावत क्षत्रिय विकास समिति बरकत नगर), शंकरलाल बालोदिया (वंदना फ्लावर्स), महेश जलान्धरा (व्यवस्थापक मंडल सदस्य कुमावत इंडिया पत्रिका), विजय कारगवाल (सम्पादक सदस्य कुमावत क्षत्रिय पत्रिका) खेमचंद खड़गटा, राधेश्याम खाटूवाल, गिरीश कुमावत (सदस्य टीम चेतन धुंधारिया) व ग्राम जाहोता के गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे।

- जयसिंह गुडीवाल, मो. 9461343432

नववर्ष व मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएँ

चेतन धुंधारिया
मो. 9829017584, 8209687840

वर्ष 2020 में आपके स्नेह, विश्वास और सानिध्य के लिए बहुत-बहुत आभार!!

सफरनामा-2020 टीम चेतन धुंधारिया

आशा करते हैं नववर्ष 2021 में भी आपका स्नेह, विश्वास और सानिध्य टीम को मिलता रहेगा

TEAM CHETAN DHUNDHARIYA
नई सोच-सबका साथ-सबका विकास

टीम चेतन धुंधारिया

जयसिंह गुडीवाल, महेश जलान्धरा, नरेन्द्र गुडीवाल, खेमचन्द खड़गटा, विजय कारगवाल, राधेश्याम खाटूवाल, शंकरलाल बालोदिया, राकेश गैदर, गिरीश कुमावत, सतीश सिरोहिया, श्रवण कुमावत, राजकुमार, ओमप्रकाश

विमल कुमावत भाजपा जयपुर उपाध्यक्ष मनोनीत

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया द्वारा श्री विमल कुमावत को भाजपा के जयपुर का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस समाचार से कुमावत समाज में खुशी की लहर व्याप्त हुई है। श्री विमल कुमावत पार्टी के समर्पित नेता हैं तथा आपने सादगी और संगठन शक्ति का परिचय समय-समय पर दिया है। आप पहले जयपुर नगर निगम के उपमहापौर पद पर सुशोभित रहे हैं। आप द्वारा कुमावत समाज में भी सक्रिय रूप से कार्य किया गया है।

'कुमावत इण्डिया' पत्रिका की ओर से अध्यक्ष रमेश गैदर, समाज के अनेक संगठनों व गणमान्य लोगों ने श्री विमल कुमावत को बधाई दी है।

अर्चना कुमावत ने नेट जेआरएफ उत्तीर्ण किया

श्रीमती अर्चना कुमावत पत्नी श्री बनवारी कुमावत निवासी गाँव देवमण्ड (मौजमाबाद की बेटी) ने हिन्दी साहित्य में **99.38 प्रतिशत** के साथ यूजीसी नेट जेआरएफ उत्तीर्ण करके परिवार व कुमावत समाज का नाम रोशन किया है। आपने राजस्थान विश्वविद्यालय से हिन्दी साहित्य में स्नातकोत्तर करके यह सफलता प्राप्त की है। आपने सफलता का श्रेय स्वयं की मेहनत व परिजनों को दिया है। आप पीएचडी करके असिस्टेंट प्रोफेसर बनना चाहती हैं।

'कुमावत इण्डिया' पत्रिका आपकी सफलता के लिए बधाई देती है एवं आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

नीलम कुमावत ने नागौर में जीता गोल्ड मेडल

नीलम कुमावत निवासी बासनी वालों की ढाणी, जोबनेर ने नागौर दौड़ प्रतियोगिता में 1600 मीटर, 800 मीटर और 400 मीटर में प्रथम स्थान प्राप्त कर ढाणी, कस्बे एवं कुमावत समाज का नाम रोशन किया है। आप राज्यस्तरीय एवं राष्ट्र स्तरीय दौड़ एवं कबड्डी प्रतियोगिता में पहले भी गोल्ड मेडल एवं सिल्वर मेडल जीत चुकी हैं। आपकी इस प्रतिभा एवं सफलता पर कुमावत समाज को गर्व है।

'कुमावत इण्डिया' पत्रिका आपकी सफलता के लिए बधाई देती है एवं आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

टीम चेतन धुंधारिया द्वारा विमल कुमावत भाजपा जयपुर उपाध्यक्ष का स्वागत

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां द्वारा श्री विमल कुमावत को भारतीय जनता पार्टी के जयपुर जिले का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। श्री विमल कुमावत का टीम चेतन धुंधारिया द्वारा माला पहनाकर व गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया गया।

श्री विमल कुमावत ने चेतन धुंधारिया टीम द्वारा लॉकडाउन में टीम का गठन कर दिन-रात मेहनत करके समाज एवं प्रदेशवासियों की जो सेवा की है उसके लिए पूरी टीम को साधुवाद दिया तथा आश्वस्त किया कि टीम को जब भी उनकी आवश्यकता होगी वे टीम के साथ रहेंगे।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह टीम सदैव समाज को अपनी उत्कृष्ट सेवायें देती रहेगी। इस अवसर पर अनेक समाजबंधु व भामाशाह जिनमें नरेन्द्र गुडीवाल सदस्य कुमावत क्षत्रिय सामूहिक विवाह समिति जयपुर, शंकरलाल बालोदिया (वंदना फ्लावर्स) जयसिंह गुडीवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कुमावत क्षत्रिय विकास समिति, बरकत नगर जयपुर, खेमचंद खड़गटा, विजय कारगवाल उपस्थित रहे।

आओ बचायें जिंदगी की डोर... ''बेजुबान पक्षियों पर मेहर रखें''

मकर संक्रान्ति पर आसमान में पतंगबाजी के उल्लास का रंग बच्चों से लेकर बड़ों के सिर चढ़कर बोलता है। ये वो त्यौहार है जिसका हर किसी को बेसब्री से इंतजार रहता है। मकर संक्रान्ति के पर्व पर बेजुबान पक्षियों, राहगीरों व दोपहिया वाहन चालकों की जान पर पतंगबाजी का शौक भारी पड़ता है। प्रतिवर्ष पतंगबाजी के कारण अनेक दुर्घटनाएँ होती है।

मकर संक्रान्ति पर आसमान में उड़ते पक्षी मांझे की तीखी धार से घायल हो जाते हैं। पतंग का मांझा पेड़ों में फंस जाता है जहाँ इन बेजुबान परिन्दों का बसेरा होता है अपने बसेरों की ओर आते-जाते समय ये उसमें फंस जाते हैं और मौत का शिकार हो जाते हैं। वर्ष 2017 में हाईकोर्ट और नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एस.जी.टी.) ने पूरे देश में चाइनीज मांझे के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बावजूद भी बाजार में खुलेआम इसकी बिक्री की जाती है। एक दिन का शौक लाखों बेजुबान परिन्दों को मौत दे देता है। पंतगबाजी के शौकीन लोगों को इन बेजुबान परिन्दों का दुख: शायद मालूम ना हो। परन्तु इंसानों का यह मनोरंजन प्रतिवर्ष इन बेजुबानों की मौत की वजह बन रहा है। प्रतिवर्ष सैंकडों परिन्दें पतंगबाजों की डोर में उलझकर या तो घायल हो जाते हैं या उनकी मौत हो जाती है। पतंगबाजी के जुनून में पतंगबाज खुश होते हैं, लेकिन इनकी पतंग की डोर में उलझकर औंधे मुँह गिरे ये पक्षी हर साल मौत के मुँह में समा जाते हैं। आसमान में लहराती, खिल-खिलाती हजारों पतंगें मन को आकर्षित करती है, परन्तु पक्षियों के बीच एक अजीब बदहवासी सी फैल जाती हैं। कई दिनों तक ये इमारतों की मुंडेरों पर चिपके और सहमें बैठे रहते हैं जो हिम्मत जुटाकर निकलते हैं उनका सुरक्षित घर लौटना भी मुश्किल हो जाता है। संभावना कम रहती है कि वे सुरक्षित घर लौट भी पायेंगे या नहीं ? इसलिए इंसानों को इन बेजुबान परिन्दों के लिए जल्द सोचना चाहिए ताकि आने वाले वक्त में इनकी घटती तादात को रोका जा सके। ये बेजुबान भी बिना डरे, बिना रूकावट के खुले आसमान में चैन से उड़ सके। क्योंकि खुले आसमान में विचरण करने का अधिकार इनका ही है।

आपकी जिंदगी की डोर और इन बेजुबान पक्षियों की डोर आपके हाथ में हैं **कुमावत इंडिया** पत्रिका परिवार अपील करता है कि पतंगोत्सव का यह पर्व हर्षोल्लास से मनायें, लेकिन किसी की जिंदगी की डोर न कटने पाये। सभी को **नववर्ष एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएँ।**

-**रमेश गैदर**, अध्यक्ष, कुमावत इंडिया पत्रिका, जयपुर

आभार

हमारी पूजनीय माताजी

श्रीमती रूपावती वर्मा

(धर्मपत्नी स्व. श्री रूपनारायण जी वर्मा)

का बैकुण्ठधाम 27 नवम्बर, 2020

को हो जाने पर समाज बन्धुओं, सगे सम्बन्धियों, शुभचिन्तकों, मित्रजनों एवं सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों, सदस्यों द्वारा व्यक्तिशः, मोबाईल, वॉटसएप द्वारा शोक संदेशों द्वारा इस दुःख की घड़ी में हमें एवं परिवारजनों को सम्बल दिया, मनोबल बढ़ाया। हम सब परिवारजन आप सभी का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

आभारी

पुत्र : हरीसिंह, पौत्र : अभिषेक, अभिनव, विक्रम, प्रद्युमन एवं समस्त अनावड़िया (कुमावत) परिवार

फर्म

होटल श्री कल्याण रेजीडेन्सी, स्टेशन रोड, जयपुर
श्री हरि पाईप्स, स्टेशन रोड, जयपुर
सिद्धि विनायक होटल, स्टेशन रोड, जयपुर
डेफोडिल पब्लिक स्कूल, बनीपार्क

मो.: 9829033461, 9066666377, 9829988555, 982146766

विज्ञापन

सामाजिक संस्थाएं व चुनाव

कुमावत समाज में अनेक सामाजिक संस्थाएं संचालित हो रही हैं यह अच्छी स्थिति है पर इन सभी में से कुछ संस्थाओं में नियमित चुनाव नहीं होना दु:खद व निराशाजनक है। कुछ संस्थाओं में तो 8-10 वर्षों से चुनाव नहीं होना आश्चर्यजनक है। चाहे कानूनी अड़चन/विवाद हों, उसे दूर करके चुनाव कराना उस संस्थाकी कार्यकारिणी का नैतिक दायित्व है। मिल बैठकर विचार विमर्श करके विवाद निपटा करके समयबद्ध चुनाव कराना समाजहित में होता है।

जिन संस्थाओं में नियिमत चुनाव करवाये जा रहे हैं, नि:सन्देह वे संस्थाएं अच्छा कार्य कर रही हैं, जो संस्था प्रमुख की नेकनियति, ईमानदारी व निष्ठा को प्रकट करती है। ऐसे व्यक्ति यदि चुनाव नही भी लड़ना चाहे तो समाजजन उन्हें राजी करें व वापस चुनकर लाये। ऐसी संस्थाओं में कुछ पदाधिकारी अनावश्यक विवाद करते हैं अथवा बैठकों में नहीं आते या संस्था के हितों के विरुद्ध कार्य करते हैं। ऐसे लोग असहमति पर संवाद नहीं करते अपितु विवाद करते रहते हैं। संवाद से समाधान होता है जबकि विवाद से व्यवधान होता है। जो लोग अक्सर विवाद की स्थिति उत्पन्न करें वहां की संस्था के मतदाताओं पर यह दायित्व आ जाता है कि उन्हें पुन: नहीं चुने।

कुछ पदाधिकारी 8-10 वर्षों तक पद पर रह चुके व संस्था से ऊपर स्वयं को समझने लगे थे, उन्हें विश्वास था कि वे कभी पराजित नहीं हो सकते पर वे नहीं जानते थे कि जनता जनार्दन अथवा समाजजन पद पर बैठा सकती है तो उतार भी सकती है। जैसे ही चुनाव होते हैं ऐसे लोग पराजित होते देखे गये हैं। जो चुनकर उम्मीदवार आये उन्होंने कार्य किया व संस्था में नई जान फूंकी। पर अहकांरी लोग कुकरमुतों की तरह फिर उग आते है, चुनाव आने पर ऐसे स्वार्थी लोग पुन: पुरजोर सक्रीय हो उठते हैं। ऐसे अर्कमण्य, अहंकारी व संस्था के लिए घातक लोगों को समाज के मतदाता को पहचानना व उन्हें बाहर का रास्ता दिखाने में देर नहीं लगानी चाहिए। ऐसे लोग एक नहीं अनेक संस्थाओं में वायरस की तरह घुसकर संक्रमण फैला कर संस्थाओं को हानि पहुंचाते हैं।

हम सभी को समाज की एकता व अखण्डता तथा विकास की ओर ध्यान देना होगा। जिन लोगों ने संस्था में समाज हित में कार्य किया उसे लायें। उसमें युवा व नये लोगों की टीम लायी जाये जिससे संस्था में नया जोश आये व समाज विकास का कार्य हो सके। किन्तु बीमार, मानसिकता,अकर्मण्य, अभिमानी तथा समाज व संस्था की एकता के लिए हानि करने वालों को हासिये पर लाना ही उचित है।

अन्नकूट महोत्सव

15 नवम्बर, 2020 को कुमावत क्षत्रिय विकास समिति बरकत नगर टोंक फाटक जयपुर के सानिध्य में श्री बाबा रामदेव मंदिर, 7 विनोबा बस्ती बरकत नगर, टोंक फाटक, जयपुर में कार्यकारिणी पदाधिकारियों, स्थानीय समाज बन्धुओं एवं स्थानीय अन्य समाज बन्धुओं के सहयोग से अन्नकूट महोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष श्री बाबूलाल ब्याड़वाल उपाध्यक्ष श्रीमती नीनू गैदर, कोषाध्यक्ष श्री बद्रीलाल जूनवाल, संगठन मंत्री श्री देवी नारायण बबेरीवाल, उप मंत्री श्री ओमप्रकाश नेहरा, सांस्कृतिक मंत्री श्री अर्जुन लाल दोराया, प्रचार मंत्री श्री ईश्वर लाल लोढया, कार्यकारिणी सदस्य श्री राजेश राजोरिया एवं श्री विनय देवतवाल उपस्थित रहे। सायंकाल पूजा अर्चना कर प्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर सोशल डिस्टेंसिंग व कोरोना गाइड लाइन्स का विशेष ध्यान रखा गया।

- राम प्रकाश मारवाल, मंत्री

कोरोना जागरूकता के लिए मनाली तक मोटर साइकिल पर सफर

स्काउटर व शारीरिक शिक्षक मुकेश कुमावत ने अनूठी पहल करते हुए कोरोना के विरुद्ध जनजागृति के लिए अनूठी पहल करते हुए बाइक से मनाली की यात्रा शुरू की है। वे 5 दिन में करीब 2500 किलोमीटर की दूरी तय कर 6 राज्यों में संदेश देते हुए मनाली में लगने वाले स्काउट गाइड के साहसिक गतिविधि शिविर में भीलवाड़ा का प्रतिनिधित्व करेंगे।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हलेड़ भीलवाड़ा के शारीरिक शिक्षक मुकेश कुमावत विश्व पर्यावरण दिवस हो या विश्व साइकिल दिवस पौधे रोपकर व साइकिल चलाकर आमजन को संदेश देते रहे हैं। अब करोनो काल में आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से हिमाचल प्रदेश के मनाली के लिए बाइक पर रवाना हुए। राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड की सीईओ अनिता तिवारी, स्थानीय संघ सचिव प्रेमशंकर जोशी, राष्ट्रीय मानवाधिकारी एंड एंटी करप्शन के जिलाध्यक्ष पवन कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

कुमावत समाज की देन-1

8वीं सदी से स्थापत्य, शिल्प कला व मूर्तिकला

राजस्थान का स्थापत्य - चित्रकला

शेखावाटी अपनी हवेलियों के लिए विष्व प्रसिद्ध है जिसका कारण इन हवेलियों में बनाये गये भिती चित्र है। इस क्षेत्र में रामगढ़, फतेहपुर, लक्ष्मणगढ़, मंडावा, महनसर , बिसाऊ, नवलगढ़, डूडलोद व मुकंदगढ़ जैसे कस्बे हवेलियों के कारण ही आज भी विश्व के सैलानियों का आकर्षण का केन्द्र बने हुए है। इन हवेलियों के गुम्बद से लेकर तलघर तक भिती चित्रों से अटे पड़े है। विश्व में भिती चित्रों पर शोध करने वाले अनेक शोधार्थी हर साल यहां आते है। शेखावाटी को खुली कला दीर्घा भी कहा जाता है। वर्तमान समय में इन हवेलियों के भिती चित्रों को देखने से पता चलता है कि इस चित्रकारी पर अलग-अलग युग का असर रहा है। कहीं मुगलकालीन दरबार व चित्रशैली देखने को मिलती है तो कहीं पारसी शैली का भी प्रभाव है।

शेखावाटी में सामन्त एवं धनाढ्य वर्ग ने दर्शनीय गढ़ो, हवेलियों, छत्रियो व् मंदिरों आदि का निर्माण स्थानीय कुमावत चेजारा वर्ग द्वारा किया गया था, उन्ही के द्वारा इन स्मारकों पर अत्यन्त कलात्मक भित्ति चित्रों का विभिन्न धातु एवं खनिज रंगो आराईस आदि के माध्यम से किया गया।

चितेरा कहलाने वाले चित्रकारों को इस मे उत्कृष्टता हासिल थी। नर्हद (1,508 ई. में निर्मित) और झुनझुनु (हंसा 1680-82 राम द्वारा निर्मित) पर छतरियों चित्रकला के इस के ठीक नमूने हैं।

शेखावाटी के प्रमुख कुमावत चित्रकार : श्री प्रताप जी बैंडवाल, श्री गोविंदराम घोड़ेला, श्री मांगीलाल घोड़ेला, श्री लादूराम बबेरवाल, श्री गिरधारी सिरस्वा, श्री कन्हैयालाल बरबुडा, श्री शिवलाल बरबुडा, श्री आनंदीलाल बैंडवाल, श्री नारायण किरोड़ीवाल, श्री जीतमल किरोड़ीवाल, श्री बालूराम किरोड़ीवाल, श्री रामचन्द्र घोड़ेला, श्री कस्तूरचंद निमिवाल, किरोड़ीवाल, बैंडवाल, बरबुडा, सिरस्वा, घोड़ेला इत्यादि परिवार के कई युवा आज भी अपने पूर्वजों की कला परंपरा को कायम रखे हुए है :-

शेखावाटी मंडावा हवेली पेंटिंग के चित्रकार

फतेहपुर/ रामगढ़ के कुमावत चित्रकार

19वीं सदी व 20वीं सदी के पूर्वार्ध में फतेहपुर में कई हवेलियां, कूप, झरोखे छतरियों आदि का निर्माण व चित्रांकन कुमावत चेजारों के जिम्मे रहा। रामगढ़ की चित्र- संयोजना और निर्माण में तुनवाल परिवार के अनेक चित्रकारों का हाथ रहा। ऐसे चित्रकारों में श्री आराराम जी, श्री बालूराम जी श्री मोहनलाल जी श्री चुन्नीलाल जी, श्री रामचन्द्र जी, श्री बंशीधर जी, श्री कन्हैयालाल जी आदि प्रमुख थे। लक्ष्मणगढ़ के कुमावत चित्रकार, श्री बालचंद जी मारोठिया, श्री द्वारकाप्रसाद जी आदि का उल्लेखनीय योगदान रहा

सीकर

सीकर राजस्थान का एक प्रमुख नगर है। उसी प्रकार वह कुमावत चित्रकारों का प्रमुख कला केंद्र रहा है। यहाँ के हिन्दू एवं जैन मंदिरों में अनेक कुमावत चित्रकारों ने चित्रांकन किया है।

सीकर व झुंझुनू क्षेत्र के इन चित्रकारों की प्रतिष्ठा, कला-मर्मज्ञता एवं लोकप्रियता भारत में दूर दूर तक फैली। आराईस, कांच पर चित्रकारी, सोने की चित्रकारी, भित्ति चित्र आदि के लिए इन्हे दूर -दूर तक के जैन मंदिरों में चित्रांकन हेतु आमंत्रित किया जाता था।

ढूँढाड़ शैली

जयपुर शैली का विकास महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय के काल से शुरू होता हैं, जब 1727 ई. में जयपुर की स्थापना हुई। महलों और हवेलियों के निर्माण के साथ भित्ति चित्रण जयपुर की विशेषता बन गयी। सवाई जयसिंह के उत्तराधिकारी ईश्वरीसिंह के समय साहिबराम नामक प्रतिभाशाली चितेरा था, जिसने आदमकद चित्र बनाकर चित्रकला की नयी परम्परा डाली। ईश्वरीसिंह के पश्चात् सवाई माधोसिंह प्रथम के समय गलता के मन्दिरों, सिसोदिया रानी के महल, चन्द्रमहल, पुण्डरीक की हवेली में कलात्मक भित्ति चित्रण हुआ। इसके पश्चात् सवाई प्रतापसिंह के समय चित्रकला की विशेष उन्नति हुई। इस समय राधाकृष्ण की लीलाओं, नायिका भेद, रागरागिनी, बारहमासा आदि का चित्रण प्रमुखत: हुआ। बड़े-बड़े पोट्रेट (आदमकद या व्यक्ति चित्र) एवं भित्ति चित्रण की परम्परा जयपुर शैली की विशिष्ट देन है। उद्यान चित्रण में जयपुर के कलाकार दक्ष थे। जयपुर चित्रों में हाथियों की विविधता पायी जाती है।

ये हवेलियां तो जिंदा है मगर आजादी के सालों बाद आज स्थिति यह है कि इन हवेलियों के भिती चित्रों को बनाने वाले कलाकारों की पूरी पीढ़ी ही लुप्त हो गई है। कुछ एक ही चित्रकार रहे हो जो भिती चित्रों की इस कला को जानता हो। इसके अनेक कारण गिनाये जा सकतें हैं कि आजादी के बाद न तो सरकार इन चित्रकारों की तरफ कोई ध्यान दिया और न ही समाज अपने स्तर पर इनकी कला को आगे बढ़ा सका। सबसे बड़ा सवाल है कि उस शोषण के इतिहास को पूरी तरह मिटाकर, बनीयों के बाप-दादाओं के नाम पर कसीदे पढ़े जाते है।

कोविड-19 के हम पर असर और बेअसर

कोविड-19 ने वैसे तो वर्तमान मानव जीवन में कई तरह के गहरे प्रभाव स्थापित किये है, जिनमे कुछ वरदान और कुछ अभिशाप बन रहे हैं। जैसे मास्क पहनना एक वरदान जैसा है क्योंकि आज के माहौल में वायु प्रदूषण, संक्रमित कीटाणुओं से एक हद तक आम लोगों के स्वास्थ्य पर इसका सकारत्मक असर पड़ा है। आगे भी इसकी आदत कई लाभ दे सकती है, जैसे छोटे बच्चों और बुजुर्गों में सास की तकलीफ, अस्थमा, धूल और धुंए से एलर्जी , किसी भी अन्य व्यक्ति के मुँह के ड्रॉपलेटस से बचने में अहम भूमिका निभा रहे है।

हाथों को निरंतर धोने से किसी भी तरह के कीटाणु को शरीर मे प्रवेश करने से रोकने में सफलता मिली है। इससे इंसान की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी साथ ही कई तरह के संक्रमण से होने वाले रोग जिनका हम कोविड-19 से पहले आम जीवन मे आसनी से शिकार हो जाते थे, जैसे सर्दी-जुखाम, बुखार, डायरिया, पित्त ऐसी कई बीमारियां जो दिखने में सामान्य होती है परन्तु शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता को निरंतर कम करती हैं, उनसे बच सकते है।

खान-पान में कई तरह के बदलाव हुए हैं जैसे गर्म पानी पीना, देशी काढ़ा पीना, गर्म खाना खाना, रेफ्रिजरेटर में जमा रखा खाना गर्म करके खाना अच्छी सेहत के लिए खतरनाक होता है। रेफ्रिजरेटर का ठंडा पानी और अन्य शीतल पेय शरीर के लिए हनिकारक होते है जो कई बीमारियों को जन्म देते है जैसे आंतो का सिकुड़न, पैरालिसिस व कई अन्य बीमारियां जो अत्यधिक ठंडा खाने से होती है। बाहर का खाना विशेष कर **फास्ट-फूड से दूर रहने** से दो तरह के लाभ हुए है एक तो अनावश्यक खर्च बचा है और दूसरा **जंक फूड न खाने से सेहतमंद बने है।**

योग व व्यायाम करने में भी लोगों दिल्चस्पी बढ़ी है साथ ही साथ घर मे परिवार के साथ एक गुणवत्तापूर्ण समय बिताने का अवसर भी मिला है।

नारीशक्ति की उपयोगिता और उनके परिश्रम की वास्तविक व व्यवहारिक व्याख्या हो पाई है क्योंकि लोगों ने घर मे रहकर कई तरह के घरेलू कार्य करने की कोशिश की, जैसे खाना बनाना, साफ-सफाई करना, बच्चों को पढ़ाना और उनके होमवर्क करवाना अवसर मिला है। हर सदस्य को उनकी **पसन्द का नाश्ता-खाना बना के देना** और सबके खाने के बाद जो जूठे बर्तनों के अंबार को साफ करने, कपड़े, घर की साफ-सफाई में ग्रहणी की जो कमर टूट जाती है , जो ऑफिस में या व्यापार में काम करके धन अर्जित करने के कार्य से रतिभर भी कम नही है। काफी हद तक पुरुष समाज को यह अहसास करा दिया है, इसलिए सम्पूर्ण विश्व की मातृशक्ति को निःसन्देह हमारा नमन है।

शिक्षा क्षेत्र-वैसे तो लॉकडाउन में अर्थव्यवस्था की कमर तोड़कर रख दी है, जिनके छोटे व्यापार थे उन्हें बड़ी चोट पहुंची है परन्तु एक ऐसा क्षेत्र है जिसने एक स्वस्थ बहस को छेड़ दिया है वो है **शिक्षा में इंटरनेट और मोबाइल का उपयोग।** जी हाँ, आज के समय मे हमारे सभी के बच्चे ऑनलाइन क्लास और स्कूल को मोबाइल या लैपटॉप, कम्प्यूटर के द्वारा इंटरनेट के माध्यम से शिक्षा ग्रहण कर रहे है। अब यह मांग उठने लगी है कि जब शिक्षा ऑनलाइन हो सकती है तो स्कूलों की मोटी-मोटी फीस की कुव्यवस्था क्यों बनी हुई है.. ? यह एक गहरा सवाल है परन्तु इसके कई और पहलू भी है। एक सामान्य मध्यम परिवार में बच्चों को मोबाइल और इंटरनेट से दूर रखा जाता था जो एक स्तर पर काफी हद तक ठीक था परन्तु किसने सोचा था कि जिस इंटरनेट और मोबाइल से हम बच्चों को दूर रख रहे है वो हो आज की सबसे बड़ी आवश्यकता में तब्दील हो जायेगा।

दुष्प्रभाव-यह शिक्षा के ज्ञान तक तो उचित है परन्तु एक बाल मन और निरंतर जवा होने के शारीरिक बदलाव से बच्चों में इंटरनेट के माध्यम से जो जहर पहुँच रहा है वो एक अति गम्भीर विषय है। माँ-बाप से नजर बचाकर बच्चे ऑनलाइन गेम, कार्टून, OTT मंचो पर हर तरह के कार्यक्रम देखने में लगे है जिससे उनके अबोध मन पर कई तरह के गहरा असर पड़ रहा है। जिन बच्चों को कम उम्र से मोबाइल दिए है उनमें से , 70% बच्चे ऑनलाइन गेम की बीमारी से ग्रसित हो चुके हैं। जिसके परिणाम स्वरूप कुछ बच्चों ने ऑनलाइन गेम की तर्ज पर आत्महत्या कर ली, जानलेवा स्टंट कर लिया और यौन अपराध बढ़ रहे हैं।

बच्चों और अल्पवयस्क मानसिकता की इस अवस्था का फायदा ऑनलाइन गेम बनाने वाली व इंटरनेट कंपनियां को हो रहा है वो दिनरात ऐसे गेम बना रहे है जिससे बच्चों में जिज्ञासा और कौतूहल निरन्तर बना रहे, **बच्चे ऑनलाइन गेम में हजारों रुपये खर्च कर रहे है उन्हें पता तक नही चलता कि वो जाने अनजाने में कितना आर्थिक नुकसान कर रहे है।** घर वालों को तो पता तब चलता है जब भारी भरकम बिल आता है।

मां-बाप अपने बच्चों को शिक्षा के नाम पर मोबाइल और इंटरनेट सुविधा दे रहे है तो वो मोबाइल और नेट में प्रीपेड सेवा ही रखे ताकि दोबारा रिचार्ज करने पर आपको पता चल सके कि इंटरनेट के उपयोग कितना और कहां हुआ है।

अपने मोबाइल में बैंकिंग एप्प और ट्रांजेक्शन को पासवर्ड से प्रोटेक्ट रखे व बच्चों से यह दूर रहे, बच्चों से कभी भी कोई भी खाने-पीने, ओला-उबर टेक्सी, या कोई भी ऑनलाइन शॉपिंग इत्यादि का आर्डर न करवाये, अनजाने में हम बच्चों से ये काम करवाते है

और बच्चों को फिर आपके बैंकिंग पासवर्ड याद रह जाते है जिससे बच्चे अनजाने में इनका गलत उपयोग कर जाते है।

बच्चों के क्लास और स्कूल के बाद उनका मोबाइल चेक करें ताकि उनकी गतिविधियों का पता चल सके, निरन्तर बच्चों को मनोरंजन के नाम पर अपराध, अश्लीलता और जानलेवा गेम इत्यादि के बारे में बात करे उन्हें इनके दुष्परिणामों से अवगत कराते रहे उन्हें प्यार से समझाए कि यह सारे गेम, वेबसीरिज, या अन्य रोमांचित कार्यक्रम मात्र एक कोरी कल्पना है , इनका सच्चाई और वास्तविकता से कोई वास्ता नही है ,हमारे व्यवहारिक जीवन मे इनका कोई अस्तित्व नही है मात्र अनावश्यक मनोरंजन के अलावा।

आज के समय मे टेक्नोलॉजी और दूरसंचार, प्रौद्योगिकी ने जितने अवसर हमें आर्थिक तरक्की और सम्पन्नता के दिए है उससे कहीं ज्यादा हमारी निजता, संस्कार, सामाजिकता और शारीरिक श्रम के गुण को भी निरन्तर नष्ट किया है।

अंत में हम इतना ही कहना चाहते है कि कोविड-19 ने हमें प्रकृति, जीव-जंतु, मानव जीवन की आवश्यकता और जीवन के मूल तरीकों से फिर हमारा साक्षात्कार करवाया है अत: इस संकट के समय को उपयोगिता के अवसर में बदलने का प्रयास करे।

भारत वर्ष के साथ-साथ विश्व में वैक्सीन आने की खबरे सुखद है टीकाकरण की व्यवस्था की तैयारियां जोरों से चल रही है जो कोविड-19 के इस दौर से हमे मुक्ति दिलाने में कारगर सिद्ध हो सकता है परन्तु वैक्सीन का अंतिम व्यक्ति तक 100% लाभ पहुचने में अभी काफी समय है अत: इसके समूल अंत होने तक लापरवाही न बरतें, मास्क, हाथ धोने और दो गज की दूरी के नियमो का पालन करते रहे।

स्वस्थ रहे-खुश रहे।

नया वर्ष आपके जीवन मे नई खुशियां लाये हम ईश्वर से यही प्रार्थना करते है। वर्ष के इस अंतिम माह के इस लेख और पिछले लेखों में हुई त्रुटियों के लिए क्षमा प्रार्थी है, जीवन के अन्य विषयों पर आने वाले समय मे और सटीक व निर्मल लेख लाने का भरसक प्रयास रहेगा।

- मुकेश निमिवाल, मुम्बई

पढ़ाई के साथ हुनरमंद बनिये

आजकल बच्चों पर पढ़ाई का बहुत अधिक बोझ है। तीन वर्ष की उम्र में हम बच्चों को पढ़ने भेज देते हैं जबकि यह उम्र उनके खेलने-कूदने, उसे उत्सुकतावश जानकारी लेकर समझ को विकसित करने की होती है।

स्थानीय भाषा के अलावा उसे अब हिन्दी व अंग्रेजी भी प्रारम्भ से सीखनी होती है फिर अन्य सब्जेक्ट और होते हैं। यूँ मानिये कि पढ़ाई का बच्चों के मस्तिष्क पर बोझ व पीठ पर बस्ते का बोझ ज्यादा ही है। इसके बावजूद माता-पिता की अपेक्षा है कि उनके बच्चे कक्षा में सदैव अव्वल आवे, इसे बच्चे भी जानते हैं। इसके कारण बच्चा पढ़ाई के अलावा सृजनात्मकता व रुचि के बारे में सोच ही नहीं पाता न कर पाता है।

अभिभावकों को बच्चे पर अनावश्यक बोझ डालने से बचना चाहिये कि वह सदैव अव्वल रहे, भला लगभग 40 बच्चों की कक्षा में सभी अव्वल कैसे आ सकते हैं ? बच्चा ठीक ठाक पढ़ाई कर रहा है, कोई बच्चा किसी विषय में तो अन्य कोई किसी विषय में अच्छा हो सकता है। ऐसे बच्चे विरले ही होते हैं जो सभी विषयों में अव्वल आये व निरन्तर आते रहे। अत: अभिभावक अपनी सोच में बदलाव लावे।

हम बच्चों की रुचि अनुसार उन्हें चित्रकला, संगीत, गायन, खेलकूद, वादविवाद, श्रुतिलेख, योग, कम्प्यूटर इत्यादि में हुनरमंद बनाये। जब बच्चे बड़े हो तो जिस काम में वह अच्छा कर पा रहा है वह हुनर भी सीखने का अवसर दे, जो आगे चलकर रोजगार में सहायक हो। '**अगर कोई हुनरमंद है, तो हर परिस्थिति, हर अवसर व हर स्थिति में उसे प्रदर्शित भी करें।**' जिससे लोगों का उसकी ओर ध्यान आकर्षित हो।

कोरोना काल का ही उदाहरण लें तो उच्च वेतन पर कार्यरत कई लोगों को कम्पनियों ने नौकरी से हटा दिया। उन पर घर चलाने के अलावा बैंक लोन की किश्तें चुकाने की चुनौती आ गई। अन्य कम्पनियाँ भी इस दौर में नौकरी पर नहीं रख पाईं। ऐसे में जो हुनरमंद थे उन्होंने हुनर के अनुसार अन्य कार्य को अपना कर नौकरी में मिल रहे वेतन से अधिक कमा लिया। जैसे-ऑनलाइन ग्रोसरी शॉप, ऑनलाइन वेजीटेबल व फ्रूट शॉप व ऑनलाइन होम प्रिपेयर फूड। आजकल घरों से अनेक उद्योग-व्यापार भी संचालित होने लगे, इससे जहाँ गुणवत्ता, ताजगी, हाइजेनिक तरीके से उपभोक्ता वस्तुएं उपलब्ध होने लगी वहीं लागत कम लाने से ये सस्ती भी थी। इसलिए लोगों ने इसे हाथों हाथ स्वीकार भी किया। जो लोग शिक्षा जगत से थे उन्होंने ऑनलाइन ट्यूशन दिये, कला जगत वालों ने भी अपने-अपने क्षेत्रों में घर से व ऑनलाइन से कार्य जारी रखा। इस प्रकार प्रतिकूल परिस्थिति में भी स्वयं को बचा पाये। इनमें से कुछ ने तो हुनर अनुसार व्यवसाय को स्थायी रूप से अपनाने का मन बना लिया है।

नया साल 2021 आने को है, अभी कोरोना महामारी खत्म नहीं हुई है। ऐसे में हम निश्चय करें कि पढ़ाई के साथ बच्चों को उनकी रुचि व क्षमता के अनुसार हुनरमंद भी बनायें। इससे बच्चों में आत्मविश्वास तो जागृत होगा अपितु रुचि अनुरूप हनुर विकसित करने पर आत्म संतुष्टी भी मिलेगी।

बड़ा आदमी

कुछ समय पहले हमारे पड़ौस में एक अधेड़ उम्र दम्पत्ति रहने आए। मैं भी पड़ौसी होने के नाते उनके सहयोग हेतु उनके घर गयी, आपस में परिचय हुआ। उन्होंने बताया कि वे दिल्ली से तबादला होने पर जयपुर आए हैं। उनके एक पुत्र तथा एक पुत्री है, पुत्री का विवाह हो चुका है तथा पुत्र हैदराबाद में एक निजी कम्पनी में इंजीनियर है। औपचारिक बातचीत के बाद मैंने उनसे कहा कि आप लोग किसी भी प्रकार से परेशान ना हों किसी भी चीज की जरूरत हो तो हमें अवश्य बताएं। कुछ ही दिनों में हम लोग आपस में घुल मिल गये और अच्छे पड़ौसी बन गये।

हमारे परिवार में मेरे पति दो बेटे, बहुएं तथा चार प्यारे से नटखट पोते-पोती हैं। सारा दिन बच्चों के शोर शराबे और चुहलबाजियों में कब बीत जाता है, पता ही नहीं चलता। मैं, अक्सर पति से बोला करती, कितना एकाकी जीवन है अपने पड़ौसी परिवार का। अपने हर सुख दुख के बस ये दोनों ही साथी हैं। एक ही पुत्र है वो भी बाहर चला गया। कितना कठिन जीवन हो जाता है इस अवस्था में आकर जब बच्चे रोजगार के नाम पर माता-पिता को छोड़कर दूर चले जाते हैं।

एक दिन सुबह उठी तो देखा दम्पत्ति के घर के बगीचे में एक नौजवान चाय की चुस्कियों के साथ कोई मैग्जीन पढ़ रहा था। मैं उस युवक को पहचानने की कोशिश कर ही रही थी कि तभी मिसेज जैन चेहरेपर खुशी का भाव लिये उल्लास के साथ मेरी ओर आयी और बोली, भाभीजी ये मेरा बेटा कुणाल है। छुट्टियों में दो हफ्ते के लिए आया है। उनके दिल की खुशी चेहरे पर साफ झलक रही थी। उनके बेटे कुणाल ने मेरे पैर छुए और बहुत ही सभ्यता से मुझसे बात की।

तीन चार दिन बीते होंगे एक दिन शाम को कुणाल हमारे घर आया। उसके हाथ में एक बाउल था जिसमें वह खम्मन लाया था। बोला आन्टी मैंने मम्मी पापा के लिए बनाया है सोचा आपको भी टेस्ट कराऊँ। मैंने कुणाल में एक अच्छे इंसान के संस्कार देखे थे। उस दिन मुझसे रहा नहीं गया। मैंने उसे तसल्ली से बैठाया और अपने दिल की बात उससे पूछ ही ली, बेटा तुम बहुत अच्छे हो एक इंसान के रूप में थी और एक पुत्र के रूप में भी फिर क्यों इस उम्र में अपने माता-पिता को अकेला छोड़ दिया जीवन यात्रा के इस पड़ाव पर आकर तो माँ-बाप को संतान के सानिध्य की आवश्यकता होती है।

जवाब में कुणाल ने जो कहा सुनकर मेरा अन्तर्गन आज की युवा पीढ़ी की उस पीढ़ा से छटपटा गया जिसे हमें आज तक कभी समझ ही नहीं पाए। आन्टी मुझे पता है कि आज मम्मी-पापा अकेले मुझसे दूर है पर शायद उन्होंने मुझे खुद ही अपने से दूर किया है और वो भी आज नहीं बहुत पहले ही। जब मैं बहुत छोटा था, करीब चार साल का तभी मम्मी-पापा मेरा बोर्डिंग स्कूल में दाखिला दिला आए थे। वहाँ मुझे उनकी बहुत याद आती थी या यों कहिए, मेरे बचपन को माता-पिता के प्यार की जरूरत थी पर वो प्यार मुझसे बहुत दूर था। वो हर पल, हर खुशी जो मैं उनके साथ बाँटना चाहता था, मैंने हॉस्टल की वार्डन, रूम मेट और अपने दोस्तों के साथ शेयर की। कभी-कभी रात को डर जाता था ओर मम्मी के पास सोना चाहता था मगर माँ का आँचल तो बहुत दूर था। धीरे-धीरे समझ में आया शायद माता-पिता मुझे बड़ा आदमी बनाना चाहते हैं इसलिए इतनी दूर यहां रखा है। तो क्या मुझे अपने साथ रखकर वो बड़ा नहीं बना सकते थे और मैंने तो उनसे कभी कहा ही नहीं था कि मुझे आपके प्यार की कीमत चुका कर अपने पैंरों पर खड़े होना है। खैर स्कूल की पढ़ाई जब खत्म होने वाली थी तो मैं बहुत खुश था कि आखिर अपने घर अपने माता-पिता के पास जाने का समय आ ही गया लेकिन एग्जाम के बीच में ही एक दिन पापा का फोन आया कि विदेश में किसी एजेंट के द्वारा तुम्हारी इंजीनियरिंग की पढ़ाई की बात की है। तुम्हारे टिकिट बुक हो चुके हैं थोड़ा महंगा पड़ रहा है लेकिन तुम चिंता मत करो, पैसे की व्यवस्था हमने कर ली है। सब कुछ पैकेज में सेट है, तुम्हें कोई तकलीफ नहीं होगी। बेटा, तुम बस एग्जाम के बाद रवानगी की तैयारी शुरू कर दो। इसके बाद मेरे पास कहने को कुछ नहीं बचा था।

विदेश से चार साल बाद लौटा तो दो-तीन कम्पनियों से जॉब के ऑफर आए। पापा ने कहा, हैदराबाद वाली नौकरी तुम्हारे लिए बेस्ट है बेटा। हमने सारी जानकारी लेने के बाद ही तुम्हारे लिए इस नौकरी का चयन किया है। पैकेज भी अच्छा है और शहर भी बड़ा है और मैं हैदराबाद चला गया।

कुणाल ने एक लम्बी सांस ली और भरी हुई आंखों से मेरी ओर देखकर पूछा, आंटी बड़ा आदमी क्या होता है, मैं आज तक समझ नहीं पाया बचपन से आज तक सारे संघर्ष अकेले ही किए। क्या कुछ पाया और उसके लिए क्या कुछ खोया, आज तक इसका हिसाब, नहीं लगा पाया। मम्मी, पापा को मैंने खुद से दूर किया या उन्होंने मुझे खुद से बचपन में ही दूर कर दिया था। किसने किसे अकेला छोड़ा, इसका जवाब मुझे और मेरे जैसे बहुत सारे बच्चों को कभी नहीं मिल पाया। पर इतना जरूर कहूंगा कि इतनी बड़ी कीमत देकर शायद कोई भी बच्चा बड़ा आदमी नहीं बनना चाहता। अगर वृद्धावस्था में माता-पिता अकेले नजर आते हैं तो कहीं ना कहीं बहुत हद तक इसके लिए वे खुद भी जिम्मेदार होते हैं। सारा दोष बच्चों का ही नहीं होता।

मैं हतप्रभ सी एकटक कुणाल की ओर देख रही थी। कुणाल ने मुझे निरूतर कर दिया था। मुझे बहुत सारी बातों का जवाब मिल गया था पर कुणाल की बात का मेरे पास कोई जवाब नहीं था।

- उर्वशी बालोदिया

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, जोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोरिया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर
वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर

विशिष्ठ संरक्षक

वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल टोंक फाटक, जयपुर
वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत, बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

12 नवम्बर श्री रामेश्वर लाल खोराणिया, शांतिपुरा, अजमेर
21 नवम्बर श्री चन्द्र मोहन कुदाल, शांतिपुरा, अजमेर
21 नवम्बर श्रीमती शर्मिला (छोटा देवी) मारवाल, बापूनगर, जयपुर
22 नवम्बर श्री सेडूराम मारोठिया, नया खेड़ा, जयपुर
23 नवम्बर श्रीमती रेशमी देवी पत्नी स्व. श्री सुवालाल ठेकेदार, चीपलाटा, जयपुर
23 नवम्बर श्रीमती मोहनी देवी पत्नी श्री सीताराम कारवाल, बरकत नगर, जयपुर
23 नवम्बर श्री तोताराम पुत्र स्व. श्री मोतीराम राजोरिया, मानसरोवर, जयपुर
24 नवम्बर श्री रतनलाल घोड़ेला, कालवाड़ रोड, जयपुर
24 नवम्बर श्रीमती गणेशी देवी, वर्मा कॉलोनी, शास्त्रीनगर, जयपुर
24 नवम्बर श्री दुर्गालाल खोवाल, हरीमार्ग, टोंक रोड, जयपुर
24 नवम्बर श्री गोपाललाल खोराणिया, ढेर के बालाजी, जयपुर
26 नवम्बर श्रीमती मोहिनी देवी, नींदडराव का रास्ता, जयपुर
27 नवम्बर श्रीमती दियाली देवी पत्नी स्व.फूलचन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
27 नवम्बर श्रीमती मोहिनी देवी पत्नी स्व. श्री चांद बिहारी आसीवाल, जयपुर
27 नवम्बर श्रीमती रूपा देवी पत्नी स्व. श्री रूपनारायण अनावडिया, जयपुर

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

27 नवम्बर श्री रितेश मण्डावरा पुत्र श्री एस.सी. मण्डावरा,लालकोठी स्कीम, जयपुर
28 नवम्बर श्री चम्पालाल कुण्डलवाल, नटराजनगर, जयपुर
29 नवम्बर, श्री भौंरी लाल गुड्डीवाल, टोंक फाटक, जयपवुर
29 नवम्बर डॉ. शेरसिंह दिल्लीवाल, नेहरू नगर, जयपुर
29 नवम्बर श्रीमती कांता देवी राहोरिया कलवाड़ा, जयपुर
30 नवम्बर श्री तुलसीराम सिरोयिहा, डिग्गी रोड, जयपुर
1 दिसम्बर श्री हरीराम भोड़ीवाल, फुलेरा, जयपुर
3 दिसम्बर श्रीराम प्रकाश गुड्डीवाल, मुहाना रोड, जयपुर
3 दिसम्बर श्रीमती रेवड़ी देवी मारवाल, भिण्डों कारास्ता, जयपुर
3 दिसम्बर श्रीमती प्रभाती देवी गेदर, बरकत नगर, जयपुर
3 दिसम्बर श्री रतनलाल पुत्र स्व. श्री मोतीलाल कारगवाल, फुलेरा, जयपुर
3 दिसम्बर श्री आनन्दीलाल पुत्र श्री रूपनारायण घोड़ेला, गोविन्दपुरा, जयपुर
5 दिसम्बर श्री हुक्मीचन्द बड़ीवाल, फुलेरा
6 दिसम्बर श्रीमती बिदाम देवी मारोठिया बाबा हरिश चन्द्र मार्ग, जयपुर
6 दिसम्बर डॉ. श्री रमेश चन्द कुमावत हरमाड़ा
7 दिसम्बर श्रीमती भूरी देवी, पवलिया
7 दिसम्बर श्री कजोड़मल गैदर, बरकत नगर, जयपुर
7 दिसम्बर श्री उदयलाल खड़गटा, मोतीडूंगरी, जयपुर
8 दिसम्बर रूडमल जी राणोलिया भगतों की ढाणी,नीदड़, जयपुर
9 दिसम्बर श्री प्रेमप्रकाश मारोठिया, फुलेरा
9 दिसम्बर श्री नानगराम खोराणिया, अम्बावाड़ी, जयपुर
11 दिसम्बर श्री कानाराम किरोड़ीवाल, काचरोदा, फुलेरा
12 दिसम्बर श्री दीपक वर्मा, बबेरवाल, ब्यावर
12 दिसम्बर श्री प्रहलाद भौरोदिया पंवालिया,सांगानेर, जयपुर

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवतियाँ

शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				सज़्पर्क सूत्र	स्थान
				स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नज़्बर	
M.A., Fashon		12.5.95	5'4''	भात्रा	खाटूवाल	बबेरीवाल	कुदाल	9828463787	जयपुर
M. Com.		4.9.96	5'5''	भौरोदिया	दोराया	मांचीवाल	कारगवाल	9784480330	जयपुर
M.Sc.(Chem.)	Apex Mahila Collge	8.9.94	5'6''	मारवाल	सिरोहिया	कुदाल	नागा	9850074889	सांभर
M.A., Phd. Net		28.8.89	5'2''	मारवाल	खोवाल	किरोड़ीवाल	कुदाल	7023831475	जयपुर
M.A., Diploma		26.5.89	5'4''	खोरानिया	बबेरीवाल	धुमनिया	केकटिया	9413476930	जयपुर
MBA(Fin/ &HR)B.com.	Account Supervisor	16.10.85	5'0''	दाहिमा	बड़गून्दा	देवतवाल	चौरसिया	9413552939	उदयपुर
B.Tech. Fashion degin		26.6.95	5'7''	खण्डारिया	नरानिया	खोवाल	पीलोदिया	9828400335	जयपुर
M.Sc. (biotech)		25.10.87	5'2''	कैकटिया	घोड़ेला	दुगन	खोरानिया	9887052372	जयपुर
M.Com.,B.Ed		29.3.91	5'4''	अडानिया	देवतवाल	मालिया	जालवाल	9314883733	जयपुर
B.Sc. Bed		12.2.96	5'2''	मामोड़िया	थावलिया	जलान्धरा	जालवाल	9414017535	जयपुर
Dip. Fasion degin		22.10.94	5'3''	जालवाल	देवतवाल	बालोदिया	करोड़ीवाल	9079893054	जयपुर
B.A.	सर्विस रिलायंस जयपुर	1.7.94	5'3''	बालोदिया	जलान्धरा	सिरोहिया	खोवाल	9785353464	जयपुर
B.Tech.R	TCS गुडगांव	13.8.92	5'3''	धुंधारियात	दज़्बीवाल	भदानिया	नराणीया	9024129220	जयुर
B.Arch.		19.11.90	5'4''	उदयवाल	धुंधारिया	जलान्धरा	मलेडिया	9414060064	जयपुर
M.Sc. Home scie.	राज. यूनिवर्सिटी ज़्लर्क	1987	5'2''	धीरपुरिया	बालोदिया	अनावडिया	मारवाल	9782042388	जयपुर
M.A.		14.7.90	5'2''	बबेरीवाल	अनावड़िया	होदकास्या	सिरस्वा	9352193423	जयपुर

युवक

शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				सज़्पर्क सूत्र	स्थान
				स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नज़्बर	
M.com, MBA	मल्टी कज़्पनी	12.10.92	5'7''	खड़गटा	घोड़ेला	नीमीवाल	नागा	9314297317	जयपुर
B.Com. PGDIB	स्वयं का व्यापपार	7.10.92	5'11''	मामोड़िया	खोवाल	खाटूवाल	सीरसवा	9828559380	जयपुर
MA.	अध्यापक प्राईवे	6.7.93	5'4''	धुमनिया	मारोठिया	अनावड़िया	घासोलिया	9649034994	जयपुर
B.A. Journlist	स्वयं का न्यूज पेपर	1.5.82	5'6''	मारोठिया	मण्डावरा	जगनाथ्या	छाबल्या	9314820385	जयपुर
M.A., LLB	प्रा.सर्विस	26.6.87	5'.8''	कारगवाल	मारोठिया	खोरानिया	मण्डावरा	9314820385	जयपुर
P.G. (fin.)	मल्टी कंपनी दुबई	14.3.92	5'10''	मोरवाल	बेडवाल	घोड़ेला	मारवाल	9829292178	जयपुर
M.A.	नगर निगम जयपुर	5.10.94	5'7''	जेठीवाल	बालोदिया	भौरोदिया	बधानिया	9460866909	गुजरात
B.Tech (MBA)	मल्टीनेशनल कंपनी	30.3.94	5'7''	कसुज़्बीवाल	दोराया	धुंधारिया	मारोठिया	9828547080	जयपुर
B.Tech	वेव डवलपर मल्टी.कं.	5.12.92	5'9''	धुंधारिया	अनावड़िया	बबेरीवाल	बसवाल	7219924039	जयपुर
B.Com.	प्राईवेट सर्विस	21.9.93	5'7''	खोवाल	खाटूवाल	घोड़ेला	गैदर	9950713454	
M.A.	स्वयं काकार्य	21.5.90	5'6''	दज़्बीवाल	सारड़ीवाल	कुसुज़्बीवाल	अडानिया	9636227996	
B.A.	JDA comp. op	2.7.88	5'9''	होदकास्या	सिरस्वा	निरानिया	अनावडिया	7976992127	जयपुर
B.com.	Software Eng.	8.11.95	5'8''	किरोड़ीवाल	धुंधारिया	होदकास्या	मारवाल	9928315835	जयपुर
M.Com.MBA		21.1.92	5'8''	बबेरीवाल	कुदीवाल	खड़गटा	सिघनवाल	9413488684	जयपुर
BA	लाइट सेंटर स्वयं का	1996	5'8''	गढ़वाल	हीरापुरिया	तुनगरिया	दज़ीवाल	9680432667	सांगानेर
M.A. Steno	Infrastractor Jaipur	18.1.90	5'8''	बालोदिया	मारवाल	धुंधारिया	कुदाल	9351546014	जयपुर
B. A.	Event self	1986	5'3''	बालोदिया	कुदीवाल	राजोरिया	मारवाल	9929723297	जयपुर
B. A.		1991	5'6''	पीपलोदा	नागा	दज़्भीवाल	तुनगरिया	9783107103	जयपुर
B.A.DIF		16.4.91	5'3''	बालोदिया	जलान्धरा	सिरोहिया	खाटुवाल	9785355464	जयपुर
M. com.	job work	17.2.92	5'6''	बालोदिया	जलान्धरा	सिरोहिया	खाटुवाल	9785355464	जयपुर

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

3. अच्छे रिश्तों के लिए दादी, नानी का गोत्र छोड़ा भी जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए श्री हेमचन्द खड़गटा मो.नं. 9351682036 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम "कुमावत इंडिया पत्रिका"

समाज बन्धुओं से निवेदन है कि पत्रिका में प्रकाशन हेतु यदि आप प्रकाशन सामग्री:- समाचार, फोटो, लेख, कविता, प्रतिभाओं का परिचय, सामाजिक गतिविधियों आदि प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो कृपया kumawatindiapatrika@gmail.com पर मेल करें अथवा कार्यालय पते पर सामग्री प्रेषित करें।

-सम्पादक

सूचना

तीन वर्षीय सदस्य अगस्त-नवम्बर में क्र.सं. 166 से 210 समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें। सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

विनम्र निवेदन

हमारे पूर्वज जमीन, जायदाद, सोना, चांदी आदि अमूल्य सम्पत्ति छोड़कर स्वर्ग चले जाते हैं। हम व्यस्तता के कारण उनकी चिरस्मृति बनाये रखने में असमर्थ हो जाते हैं। कुमावत इण्डिया पत्रिका समाज बन्धु 4000 रु. शुल्क जमा कराकर अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी) की पुण्य तिथि फोटो सहित 10 वर्ष तक 1/8 पेज पर मल्टीकलर में प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

-: विशेष निवेदन :-

1. शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ कुमावत अवश्य लगाएं। क्योंकि गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।
2. इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत की एक लाईन में श्रद्धांजलियाँ नि:शुल्क प्रकाशित की जाती है इस हेतु पत्रिका के कार्यालय को सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर शहर व्यवसाय डाइरेक्ट्री का प्रकाशन शीघ्र

पत्रिका शीघ्र ही समाज की एक बहुउपयोगी **व्यवसाय डाइरेक्ट्री** का प्रकाशन करने जा रही है। यह डाइरेक्ट्री कोरोना महामारी के कारण लेट हो गई है। इसमें जयपुर नगर निगम क्षेत्र के व्यापारियों की दुकानों/संस्थानों/प्रोफेशनल्स का नाम, पता, फोन/मो. नं. आदि का एरिया वाईज प्रकाशन मार्च 2021 में किया जावेगा। इस प्रकाशन के प्रधान सम्पादक श्री हेमचन्द खड़गटा होंगे, समाज के व्यापारियों, उद्योगपतियों, प्रोफेशनल्स एवं सेवाप्रदाताओं से अनुरोध है कि वे अपने संस्थानों का विवरण एवं विज्ञापन श्री खड़गटा को देकर सहयोग करें।

डाइरेक्ट्री हेतु विज्ञापन की दरें निम्न प्रकार हैं :

साईज	दर रुपए	साईज	दर रुपए
विजिटिंग कार्ड	400/-	1/6	800/-
1/4	1000/-	1/2	1800/-
1 पेज (अन्दर)	3000/-	कवर पेज 2	4000/-
कवर पेज 3	5000/-	कवर पेज 4	10000/-

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया, मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीयनगर**-श्रीचन्द्रप्रकाश अजमेरा मो. 9928088815
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **बरकत नगर-महेश नगर**-विशाल कम्प्यूटर महेश नगर फाटक, मो. 9664386269

ब्यावर-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493

दिल्ली-श्रीराधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580

फुलेरा-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास

नोट : अन्य समाज बन्धु स्वेच्छा से यह सेवा देना चाहें तो कार्यालय से सम्पर्क करें।

आवश्यक सूचना : पत्रिकाएं नियमित रूप से हर माह की 28 तारीख को जयपुर से निर्धारित डाकघर में भेज दी जाती हैं। यदि किसी सदस्य को एक सप्ताह के अन्दर पत्रिका नहीं मिलती है तो आप अपने पोस्टमैन व पोस्ट मास्टर से शिकायत कर हमें सूचित करें।

श्री विमल कुमावत (अनावडिया)

को भारतीय जनता पार्टी जयपुर के उपाध्यक्ष
नियुक्त किए जाने पर

हार्दिक बधाई

शुभेच्छू

● रूपसिंह कारगवाल ● उमेश कारगवाल

रूपन आर्ट्स

ई-544, लालकोठी स्कीम, जयपुर 302015
मो. : 9314502407, 9314502964

Hitex Plus®
TILE & STONE FIXING SOLUTIONS

HITEX BUILDMART INDIA PVT. LTD.
An ISO 2009 : 2015 Certified Company

कुमावत बन्धुओं को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाऐं

हमारे साथ जुड़कर चैनल पार्टनर
बन कर सभी ठेकेदार भाई
व्यवसाय करें

नरेश कुमावत
+91 94138 57391

WANTED DEALER / DISTRIBUTOR

DEALS IN

• Tile & Stone Adhesive • Epoxy / Grout • Admiture
• Water Proofing Compound • Floor Proection Roll • S.B.R. Latex
• Mastic • Stone Spoxy • Stone Shiner • Stone Selent • Stone Sealer
• Stone Colour Enhancer • Power Tools • Tile Spacer • Hitex paints
• Wall putty • Primer & varnishes • Stone care products • Distemper
• Interior and Exterior Hitex paints • All type Oxide colours

+91 96020 20145
info@hitexbuildmart.com www.hitexbuildmart.com
B-319, P. No. 550/1, Road No. 14 VKI, Jaipur - 302013

नववर्ष पर सभी समाज बंधुओं को हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीमती मेघना कुमावत
धर्मपत्नी श्री दिलीप जलान्धरा
जन्मदिन 17 जनवरी, 1980

अशीष कुमावत
जन्मदिन 17 जनवरी, 1986

मेरी बड़ी सुपुत्री मेघना व सुपुत्र आशीष कुमावत
को जन्मदिन पर

हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई

शुभेच्छु

ताऊजी-ताई जी : रूपचंद-पार्वती,
पिता-माता : राम प्रकाश मारवाल-सुनीता,
चाचा-चाची : राजकुमार-उमा, जयसिंह- कौशल्या,
सत्य प्रकाश-शकुंतला एवं समस्त मारवाल परिवार

श्री विमल कुमावत (अनावडिया)

को भारतीय जनता पार्टी जयपुर के उपाध्यक्ष
नियुक्त किए जाने पर

हार्दिक बधाई

शुभेच्छु

रामप्रकाश मारवाल
सुनीता मारवाल

Apana Ashiyana (Girls P.G.) | Ashish Consultant
433-ए, परशुराम पार्क, सूर्य नगर, रिलायंस फ्रेश के पीछे रिद्धि-सिद्धि चौराहा, गोपालपुरा बाई पास, जयपुर-302015 मो. : 9717037470, 9414074376

श्रद्धांजलि

हमारे पूजनीय

श्री चम्पालाल जी ठेकेदार (कुण्डलवाल)

का बैकुण्ठवास 28 नवम्बर 2020 को
हो जाने पर हम अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धान्वत

पुत्री-दामाद : संतोष-रामावतार नेहरा, मंजू-कैलाश भौरोदिया, माया-सुरेश बबेरीवाल,
दोयता-वधु : योगेश-रेखा नेहरा, मुदित-यामिनी भौरोदिया, वैभव, दक्ष बबेरीवाल
दोयता पुत्र : रितेश, शिनोय, दोयती पुत्री : चाहत

आभार

हमारे पूज्य

श्री चम्पालाल कुण्डलवाल (ठेकेदार)

का देवलोक गमन 28 नवम्बर, 2020 को हो जाने पर हमारे रिश्तेदारों, मित्रों, सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों आदि द्वारा फोन, वॉट्सएप आदि से सांत्वना संदेशों द्वारा इस दु:ख की घड़ी में हमें सम्बल देकर मनोबल बढ़ाया। हम सब परिवारजन आप सभी का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

आभारी

धर्मपत्नी : पार्वती देवी, भ्राता : लाल चन्द कुण्डलवाल,
पुत्र-पुत्रवधु : राजेन्द्र-अनिता, राकेश-डॉ. मीनाक्षी, लघु,
पौत्र-पौत्री : सुभम, जतिन, हृदयांशी एवं
समस्त कुण्डलवाल परिवार

फर्म : -

• शुभम टेक्सटाईल • गुरुकृपा

बी.एल. हाउस, आदर्श बाजार, जयपुर-302015, मो. 9828414504, 9001102122

निवास : 11ए, नटराज नगर, ईमली फाटक, जयपुर-302015

आभार

हमारे पूज्य

श्री उदयलाल खड़गटा

का बैकुण्ठधाम 7 दिसम्बर, 2020

को हो जाने पर समाज बन्धुओं, सगे सम्बन्धियों, शुभचिन्तकों, मित्रजनों एवं सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों, सदस्यों द्वारा व्यक्तिशः, मोबाईल, वॉटसएप द्वारा शोक संदेशों द्वारा इस दु:ख की घड़ी में हमें एवं परिवारजनों को सम्बल दिया, मनोबल बढ़ाया। हम सब परिवारजन आप सभी का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

आभारी

पत्नी : गुलाबदेवी, पुत्रवधु-पुत्र : मंजू-संतोष (मुन्ना) खड़गटा, शकुन्तला कुमावत (अध्यापिका)-स्व. श्री भगवती प्रसाद, भतीजे : चन्द्रप्रकाश वर्मा, मोहनलाल, गिरधारी, हरिश्चन्द्र, कृष्ण कुमार, राजेन्द्र खड़गटा, पौत्र-पौत्री : गौरव खड़गटा, कुमारी खुशबू कुमावत, पौत्र-पौत्र वधु : इंजि. खेमित-प्रियंका एवं
समस्त खड़गटा परिवार

खड़गटा भवन, मोतीडूंगरी, जयपुर-302004
मो. 9928624044, 978600220

आभार

हमारे पूज्य

डॉ. शेर सिंह दिल्लीवाल

(सुपु स्व. श्री लक्ष्मीनारायण दिल्लीवाल)

का देवलोक गमन 29 नवम्बर, 2020 को हो जाने पर हमारे रिश्तेदारों, मित्रों, सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों आदि द्वारा फोन, वॉट्सएप आदि से सांत्वना संदेशों द्वारा इस दु:ख की घड़ी में हमें सम्बल देकर मनोबल बढ़ाया। हम सब परिवारजन आप सभी का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

आभारी

धर्मपत्नी : श्रीमती दयावती कुमावत, भ्राता : सुमेर सिंह, उमरावसिंह, राजेन्द्र सिंह, विशाल, देवेन्द्र, चन्दन दिल्लीवाल, पुत्र-पुत्रवधू : श्याम सिंह-सन्तोष, सुरेन्द्र सिंह-भारती, उम्मेद सिंह-सूर्या, दिलीप सिंह-शकुन, पौत्र-पौत्रवधु : खेमेन्द्र-कविता, अरुण-सुनिता, अंकित-रेणु, पौत्र-पौत्री : स्वीटी, राशु, फनिषा, पड़पौत्र-पड़पौत्री : आव्या, रैनित, ध्रुव, अनिस एवं
समस्त दिल्लीवाल परिवार

ए-25 के पीछे, शिवजी मार्ग, नेहरू नगर, जयपुर मो. 9785229395

श्रद्धांजलि

11वीं पुण्य तिथि (16.12.2020)

स्व. कल्पना देवी धुंधारिया

धर्मपत्नी नानगराम कुमावत

मो. 9529656211

स्वर्गवास: (16.12.2009)

हम समस्त परिजन अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते है।

दोरानी-देवर : सुलोचना-कस्तुरमल कुमावत
कल्पना-मुन्नालाल कुमावत
बहु-भतीजे : दीप्ति-पवन, कीर्ति-मोहित
पौत्र : काव्यांश (कन्नू) एवं पौत्री नाईशा, मीराया
ननद-नन्दोई : बसन्त-नारायण प्रकाश वर्मा
पुत्री-दामाद : पूनम-महेन्द्र बिरथलिया आस्ट्रेलिया, नीतू-भरत राहोरिया, पूना
निकिता-योगेन्द्र राजोरिया, जयपुर

सौजन्य - कुमावत (खड़गटा धुंधारिया)
जनमंगल सेवा ट्रस्ट (रजि.) जयपुर

स्वर्गवास 29.12.1979

41वीं पुण्यतिथि
29 दिसम्बर, 2020

स्व. श्री मूल सिंह जी कछावा

पुत्र स्व. श्री मांगीलाल जी माचीवाल
(ठेकेदार)

हम समस्त परिजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत :
धर्मपत्नि : श्रीमती उमा देवी कछावा
पुत्र-पुत्रवधु : भवानी सिंह - सीमा
पुत्री - दामाद : नमिता - स्व. रवि गीर, पौत्र : हनुमन्त सिंह,
पौत्री-दामाद : मूमल-हनुमन्त सिंह सिसोदिया, रिद्धम
दोहिता-दोहिता वधू : पार्थ - तोषाली
दोहीतियाँ-दामाद : शालिनी - नवीन, शैलजा ,नंदनी-दीपक
पडदोहिती -इनिशा

पता :
77/1, कछावा हाऊस, श्री पथ, नेमी सागर विस्तार,
वैशाली नगर, जयपुर - 302021
मो. 9829871331, 9001110171

स्व. 12.01.1993

28वीं पुण्यतिथि 12.01.2021

स्व. श्री भौंरीलाल जी नागा

स्व. 06.11.2010

10वीं पुण्यतिथि 6 नवम्बर 2020

स्व. श्रीमती धन्नी देवी नागा

हम समस्त परिजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत
पुत्र-पुत्रवधु : सुरेन्द्र कुमार - विजयकुमारी
पौत्र-पौत्रवधु : संदीप - प्रतिमा
पौत्री-दामाद : सीमा-मुकेश वर्मा (बासनीवाल), मुम्बई
कविता-पंकज वर्मा (मारोठिया), मुम्बई
पड़पौत्रियाँ : कामाक्षी, रूपल
पड़दोहिते-पड़दोहीतियाँ : सोहिल सिंह, तनिष्क, दर्शिता
एवं समस्त नागा परिवार

सौजन्य :
श्री बी.एल. नागा जनकल्याण चेरीटेबल ट्रस्ट
डी-114-ए, सिवाड़ एरिया, बापू नगर, जयपुर
मो. : 9414994006, फोन : 0141-2709925

सत्यनाम सत्य कबीर

स्व. 19.12.1971

परम श्रद्धेय पूज्यनीय गुरू

महन्त श्री रघुनाथदास जी महाराज

की
49वीं पुण्यतिथि
19 दिसम्बर 2020
पर

हार्दिक नमन: एवं श्रद्धांजलि

श्रद्धावनत :
महन्त परशुराम स्वामी

कबीर विचार मंच
कबीर भवन, मोती डूंगरी, जयपुर-4
मों. 98290-62254

05.04.1935-22.12.2016

चतुर्थ पुण्यतिथि

स्व. श्री घनश्याम जी किरोड़ीवाल

22 दिसम्बर, 2020

की चतुर्थ पुण्यतिथि पर हम सभी परिवारजन आपको
शत्-शत् नमन करते हुए अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

"आपका स्नेह, ईश्वर भक्ति, सेवा भावना एवं प्रेरणादायक
चरित्र सदैव हमारा मार्ग दर्शन करता रहेगा।"

श्रद्धान्वत

धर्मपत्नी : श्रीमती रामप्यारीदेवी, भ्राता : हरीश वर्मा
पुत्र-पुत्रवधु : कैलाश-चन्द्रकला, महेश-सुमित्रा, राजकमल-मधु, सुरेश-मंजू, रमेश-ललिता
पुत्री-दामाद : कमला-रामप्रकाश जी, इन्दू बाला-शंभूदयाल जी, शकुन्तला-ताराचन्द जी, नीलम-दामोदर जी
पौत्र : अमित, सुमित, विष्णु (सागर), अभिषेक, सूर्यकान्त, राहुल, आकाश, केशव

सौजन्य से : एवं समस्त परिवारजन मो.: 9314602556

छोटेलाल एण्ड सन्स | अल्पना इण्डस्ट्रीज | मोना आर्ट्स एण्ड क्राफ्ट | डायमण्ड फोटो स्टेट इन्स्टीट्यूट | जैम आर्ट्स क्रिएशन

हार्दिक बधाई

शादी की 50वीं वर्षगांठ

30 नवम्बर, 2020

तेज कुमार कुमावत (नागा)

(पुत्र स्व. श्री नारायणजी ठेकेदार
एवं स्व. श्रीमती मनफूली देवी)
नागों की ढाणी, फुलेरा

आनन्दी देवी (गुरिया)

(पुत्री स्व. श्री कमल कुमार जी
एवं श्रीमती संतोष देवी)
नावां शहर

शुभेच्छु

पुत्र-पुत्रवधू : राजीव कुमावत-श्रीमती लक्ष्मी

पुत्री-दामाद : श्रीमती नमीता-राजेन्द्र जी मारवाल, जयपुर, श्रीमती भारती-पंकज जी किरोड़ीवाल, जयपुर

पौत्र : जीवल, पौत्री : तनुश्री, दोहित्र : नैतिक, अक्षिता, कुनाल, सार्थक

कुमावत भवन, श्री कुमावत कॉलोनी, आयकर कार्यालय बिल्डिंग, सवाई माधोपुर, मो. 9460993453

श्री विमल कुमावत
भाजपा जयपुर
उपाध्यक्ष नियुक्त

श्री ब्रह्म कुमार सैनी
भाजपा जयपुर शहर
उपाध्यक्ष

श्रीमती सुशीला कुमावत
उप-प्रधान, पंचायत समिति
दांता रामगढ़

श्रीमती गुलाब देवी
डायरेक्टर, ग्राम देवासा,
पंचायत समिति पलसाना

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

कुमावत (खड़गटा-धुंधारिया) जनमंगल सेवा ट्रस्ट

हेमचन्द खड़गटा	कस्तूरमल कुमावत	चेतन कुमावत (धुंधारिया)	लालचन्द धुंधारिया
अध्यक्ष	सचिव	उपाध्यक्ष	कोषाध्यक्ष

ट्रस्टी : रेखा सिंह बैथाड़िया, निकिता राजोरिया, सतीश खड़गटा, शैलेन्द्र खड़गटा, मोहित धुंधारिया

85, अशोक विहार विस्तार, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर-302018
रजि. कार्यालय-2806, खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर-302004

Director
Mukesh Kumawat
93146-07695

Managing Director
C.M. Kumawat
98290-56063

Director
Lokesh Kumawat
97837-83123

CMT ARTS INDIA PVT LTD.

MANUFACTURER, EXPORTER, IMPORTER & WHOLESALER OF

All kind of : HANDICRAFT, GIFT AND SOUVENIR

Since 1976

Speciality :

1. Cedar Wood/ Kadamba wood with fine carving and half antique.
2. Sandalwood artifacts 3. Brass metal with turquoise work and Antique finish
4. Marble with painted & embossed art 5. Cultured marble 6. Soft stone 7. Miniature Art

Showroom :
"Sai-Villa", Plot No. 39, Mission Compound,
C-Scheme, Near Ajmer Puliya (Bridge)
Jaipur 302 001 (Raj.) Tel: +91-141-4041561

Residence :
F-31/A, Lal Bhadhur Nagar (W),
S.L. Marg, Main Road, Durgapura,
Tonk Road, Jaipur - 302018 (Raj.)

Email: cmtartsindia@gmail.com

Website : www.sandalwood.cn.com

Shubh Laxmi Crane & Engineers

(Formally Know as Shri Laxmi Crane Service)

All India Equipments Rental Service Provider

Jai Kishan Kumawat
+91- 9829125428
+91- 9887011175

Shankar Lal Kumawat
+91- 9887227775

Mukesh Kumar Kumawat
+91- 9887337775

H.O.
Shree Heera Bhawan, Dholi Mandi
Chomu-303702 Distt. Jaipur (Rajasthan)

B.O.
Near Patwar Bhawan,Village - Kawas
Distt. Barmer - 344035 (Rajasthan)

shreelaxmicranes@gmail.com
shubhlaxmicrane@gmail.com

www : shrilaxmicrane.com

Graphic By : Art point # 9928064300